संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 340
पृष्ठ 8
मंगलवार
01 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जल्द से जल्द होना चाहती हैं स्लिम..

विचार- एक से सात सितंबर: महापोषण...

खेल- वैभव सूर्यवंशी का तूफान, अपनी पारी...

सिर्फ सरकार के काम के भरोसे न बैठें : योगी

लखनऊ,संवाददाता। 2027 के यूपी चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को अलर्ट किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष जेन जी, जेन अल्फा और राम मंदिर के मुद्दे पर जनता के बीच भ्रम फैला रहा है। लेकिन आप लोग चुप हैं। जो सो रहे हैं, वे जाग जाएं। सिर्फ सरकार के काम के भरोसे निश्चिंत होकर न बैठें। उन्होंने वीर सावरकर की उस बात का उदाहरण दिया, जिसमें उन्होंने कहा था– 'हम दुर्जनों की उदंडता से उतने चिंतित नहीं हैं, जितनी सज्जनों की अति–सज्जनता से परेशान हैं...' मुख्यमंत्री ने ये बातें सोमवार को लखनऊ में आयोजित भाजपा के सेवा संकल्प अभियान की बैठक में कही। मुख्यमंत्रीयोगी ने अपने भाषण में जेन जी और जेन अल्फा का जिक्र किया। उन्होंने कहा– 'विपक्ष दावा करता है कि मौजूदा सरकार ने बच्चों के भविष्य या पढ़ाई के

लिए कुछ नहीं किया। जबकि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों की हालत किसी से छिपी नहीं थी।' उन्होंने सपा और बीजेपी सरकार के कामों के बीच अंतर गिनाए– 2017 से पहले करीब 1.20 करोड़ बच्चे जर्जर भवनों, बिना टॉयलेट, बिना पीने के पानी और बिना शिक्षकों के फटे–पुराने कपड़ों में स्कूल जाने को मजबूर थे। अब राज्य के 1.26 लाख से ज्यादा सरकारी प्राथमिक स्कूलों में सुधार का काम किया गया। हर बच्चे को यूनिफॉर्म, जूते–मोजे, बैग और स्वेटर के लिए सीधे पैसे दिए गए। जर्जर हो चुके माध्यमिक और इंटर कॉलेजों को ठीक करने के लिए श्प्रोजेक्ट अलंकारश चलाया गया, लेकिन कार्यकर्ता इन बदलावों के बारे में युवाओं को बताते ही नहीं हैं।

मुख्यमंत्रीने समाजवादी पार्टी के उस चुनावी वादे पर सवाल उठाए, जिसमें सपा हर मंडल में यूनिवर्सिटी बनाने का दावा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'सपा वाले तो सिर्फ बनाने की बात कह रहे हैं, हमने तो बनाकर खड़ा कर दिया है। सहारनपुर, अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद और मेरठ में नई यूनिवर्सिटी काम कर रही हैं। मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय और लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) की परीक्षाओं में खुलेआम लेनदेन होता था। योग्यता को किनारे कर एक ही जातिश के लोगों को तरजीह दी जाती थी। उन्होंने दावा किया कि एक समय में 86 में से 56 उप–जिलाधिकारी एक ही जाति से चुने गए थे।

उज्बेकिस्तान में मोदी ने छात्रों से बात की, स्टूडेंट्स ने पीएम की कविताओं को हिंदी में सुनाया, मोदी बोले

भावनाएं बिल्कुल मेरे दिल जैसी थीं

ताशकंद,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्बेकिस्तान के दो दिवसीय दौरे में ताशकंद के महात्मा गांधी सेंटर का दौरा किया। यहां उज्बेक छात्रों ने हिंदी में मोदी की लिखी कविताएं सुनाईं। अपनी कविताएं छात्रों से सुनकर मोदी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि हिंदी छात्रों की मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने कविताओं की भावनाओं को बिल्कुल वैसे ही समझकर पेश किया, जैसी भावनाएं उनके दिल में थीं। मोदी ने उज्बेकिस्तान में भारत, महात्मा गांधी और तमिल संस्कृति में बढ़ती रुचि का भी जिक्र किया। उन्होंने तिरुक्कुरल का उज्बेक भाषा में अनुवाद करने का सुझाव दिया। मोदी की यात्रा के दौरान भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्ते कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक पहुंचे। दोनों देशों के बीच 11 समझौतों, एमओयू और

सहमतियों का आदान–प्रदान भी हुआ। उज्बेकिस्तान में भारतीय संस्कृति का प्रभाव बढ़ा कार्यक्रम में भारत और भारतीय संस्कृति का अध्ययन करने वाले एक उज्बेक इंडोलॉजिस्ट ने कहा कि शायद दुनिया में बहुत कम ऐसे देश होंगे, जहां लोगों में भारत को लेकर इतना प्यार है। उन्होंने बताया कि यहां लगभग हर नागरिक 'नमस्ते' शब्द से परिचित है। भारतीय कला, नृत्य, संगीत, दर्शन और योग में भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। उज्बेकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑली दाराजली डस्टलिक से सम्मानित किया है। रविवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। यह किसी विदेशी देश की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को मिला 36वां सर्वोच्च सम्मान है। इस सम्मान के साथ पीएम मोदी भारत के उन प्रधानमंत्रियों में शामिल हैं, जिन्हें सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, कांगपोकपी में उग्रवादियों की गोलीबारी में दो ग्रामीणों की मौत, कई घर फूंके

इंफाल,एजेंसी। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने सोमवार सुबह गोलीबारी कर दो ग्रामीणों की हत्या कर दी जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिले के एक अधिकारी के अनुसार टी वाइचोंग उपमंडल के अंतर्गत कुकी समुदाय की आबादी वाले एन तेइखांग गांव में हथियारबंद लोगों ने अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया। उन्होंने बताया कि हमला करीब सुबह साढ़े नौ बजे हुआ। मृतकों की पहचान लामतिनथांग (35) और नेइचिन के रूप में हुई है। हमले के दौरान 65 वर्षीय सेइलुन को भी गोली लगी और वह घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद कई ग्रामीण अपने घर छोड़कर पास के जंगलों में जाकर छिपने को मजबूर हो गए। उन्होंने कहा कि एक पर्वतीय गांव में दोनों समुदायों से जुड़े हथियारबंद समूहों के बीच भारी गोलीबारी जारी थी। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सुरक्षा बलों को इलाके में भेजा जा रहा था। यह हमला जिले में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा एक वाहन पर घात लगाकर किए गए हमले के कुछ दिन बाद हुआ है। उस हमले में चार नगा नागरिकों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य घायल हुआ था।

वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत को वैश्विक विनिर्माण और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित करने पर दिया जोर

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी 3एम से भारत में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), उन्नत विनिर्माण और स्थानीय आपूर्ति शृंखला विकास में निवेश बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक विनिर्माण के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है और वैश्विक कंपनियों के लिए यहां व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने यह बात अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में आयोजित जी–20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान 3एम के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विलियम ब्राउन के साथ हुई बैठक में कही। यह मुलाकात बैठक के इतर आयोजित विभिन्न द्विपक्षीय कार्यक्रमों का हिस्सा थी। दोनों पक्षों के बीच हुई चर्चा का मुख्य विषय भारत में 3एम की भागीदारी को और मजबूत बनाना था। बैठक में इस बात पर विचार किया गया कि भारत अब केवल एक बड़े उपभोक्ता बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्नत विनिर्माण, प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार–आधारित उत्पादन का वैश्विक मंच बनता जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान डेटा सुरक्षा, तकनीकी विकास तथा भारतीय प्रतिभा को घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के पास कुशल मानव संसाधन, मजबूत विनिर्माण क्षमता और तेजी से विकसित हो रहा औद्योगिक ढांचा है, जिसका लाभ उठाकर 3एम अपने अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रमों का विस्तार कर सकती है। निर्मला सीतारमण ने 3एम से स्थानीयकरण बढ़ाने, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का विस्तार करने और नई प्रौद्योगिकियों के विकास में अधिक निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत में विकसित नवाचार केवल घरेलू बाजार की जरूरतों को पूरा करने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि एशिया–प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को भी मजबूत कर सकते हैं।

कनाडा में भागवत बोले

विविधता कभी एकता के लिए समस्या नहीं रही

टोरंटो,एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सोमवार को टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मुश्किल वक्त में दूसरों की मदद करना भारत की पुरानी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी संकट आया और भारत से मदद मांगी गई तो भारत ने कभी पीछे हटकर इनकार नहीं किया। कई बार भारत ने बिना मदद मांगे भी दूसरों की सहायता की है। भागवत ने कहा– भारत में विविधता एकता के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी खूबसूरती है। देश में अलग–अलग जाति, पंथ, भाषाएं और संस्कृतियां हैं, लेकिन ये सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि 'ये मेरा, वो तुम्हारा' जैसी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। अलग–अलग रूप और पहचान के बावजूद सभी में एक ही दिव्यता है। इसलिए दूसरों को अलग या पराया मानने के बजाय सभी के साथ भाईचारे और सेवा की भावना रखनी चाहिए। भागवत

ने कहा कि हिंदू सभी का सम्मान और स्वीकार करते हैं। दुनिया में कहीं किसी पर अत्याचार हुआ और उसने शरण मांगी, तो उसे भारत में जगह मिली। भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी, पारसी और दूसरे समुदाय रहते हैं। लोग सिर्फ शरण लेने ही नहीं, बल्कि ज्ञान हासिल करने के लिए भी भारत आए। उन्होंने कहा कि इंसान को फूल की तरह होना चाहिए। कली फूल बने और अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैलाए। इसी तरह व्यक्ति को विकसित होकर मानवता के लिए समर्पित होना चाहिए।

एक हिंदू की सोच यह होनी चाहिए कि मुझे भी आगे बढ़ना है, मुझे सफल होना है, क्योंकि मुझे सेवा करनी है। विविधता एकता की अभिव्यक्ति है भागवत ने कहा कि भारत में विविधता कभी एकता के लिए समस्या नहीं रही। भारतीय परंपरा सिर्फ 'विविधता में एकता' की बात नहीं करती, बल्कि विविधता को ही एकता का हिस्सा मानती है। इसे स्वीकार करना, सम्मान देना और सेलिब्रेट करना चाहिए। अलग–अलग हैं, लेकिन सब एक हैंरू उन्होंने कहा कि भारत में कई जातियां, पंथ और भाषाएं हैं। सब कुछ अलग–अलग है, लेकिन हम यह नहीं कहते कि सभी एक जैसे हैं, हम कहते हैं कि सब एक हैं। विविधता प्रकृति का स्वभाव है, जबकि एकता वास्तविकता है। हर चीज में दिव्यता हैरू भागवत ने कहा कि ईश्वर ने जो कुछ बनाया है, वह अलग–अलग रूप, आकार और रंगों में उसकी सुंदरता और पवित्रता को दिखाता है। हर चीज दिव्य है, इसलिए हर चीज एक है। 'मेरा–तुम्हारा' की सोच संकीर्णता हैरू उन्होंने कहा कि अगर हम सोचते हैं कि 'यह मेरा है और वह तुम्हारा है' तो यह सही नहीं है। दुनिया की हर चीज को अपना मानना चाहिए, लेकिन मालिक के तौर पर नहीं, भाई के तौर पर। शरीर, रंग और रूप अलग होने के बावजूद हर व्यक्ति की गरिमा और महत्व बराबर है। दूसरों की सेवा करना हमारा कर्तव्य हैरू भागवत ने कहा कि जब हम सभी को एक मानते हैं तो दूसरों की सेवा करना हमारा कर्तव्य बन जाता है। यह सोच इंसान को ऐसी खुशी और संतुष्टि देती है, जो स्थायी होती है। उन्होंने कहा कि भारत को मिला यह ज्ञान दुनिया के साथ साझा करना भी हमारा कर्तव्य है।

शुद्धीकरण करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने में इतना डर क्यों : कांग्रेस

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ उत्तराखंड में प्राथमिकी दर्ज किए जाने को लेकर सोमवार को भाजपा एवं राज्य सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि आखिर शुद्धीकरण करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से इतना डर क्यों है और क्या दलित गरिमा एवं न्याय सुनिश्चित करने की सरकार की कोई मंशा नहीं है ? पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को मुद्दा बनाने के बजाय शुद्धीकरण के मामले को असली मुद्दा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ पहले ही देश भर में 40–50 मामले दर्ज कराए जा चुके हैं और एक और प्राथमिकी दर्ज होने से कोई आसमान नहीं टूट पड़ा। खेड़ा ने कहा, असली मुद्दा राहुल जी के खघ्लिाफ प्राथमिकी नहीं है। असली मुद्दा शुद्धीकरण का है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस व्यक्ति ने शुद्धीकरण के खिलाफ आवाज उठाई, उसके खिलाफ तो तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर दी गई, लेकिन जिन लोगों ने शुद्धीकरण किया और करवाया, उनके खिलाफ अब तक एक प्राथमिकी भी दर्ज नहीं हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद में खड़े होकर कहा था कि शुद्धीकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करे और बाकी क्या हुआ, किसने किया तथा क्यों किया, यह जांच में सामने आ जाएगा। खेड़ा ने सवाल किया, षफिर प्राथमिकी दर्ज करने से इतना डर क्यों? आखिर भाजपा और उत्तराखंड सरकार शुद्धीकरण के खिलाफ प्राथमिकी से कतरा क्यों रही है?

13 साल की उम्र में 50 ग्रंथों के वक्ता बने माधुकांत दास, इंग्लैंड के वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित

वृंदावन। आध्यात्मिक क्षेत्र में कम उम्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले वृंदावन के माधुकांत दास (माधव दुबे) को इंग्लैंड के वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस ने सम्मानित किया है। संस्था की ओर से जारी प्रमाणपत्र में उन्हें इस्कॉन के सबसे कम उम्र के शिष्य और 50 ग्रंथों के वक्ता के रूप में दर्ज किया गया

है। प्रमाणपत्र के अनुसार, महज 13 वर्ष की उम्र में माधुकांत दास ने आध्यात्मिक अध्ययन, भक्ति, अनुशासन और भगवान श्रीकृष्ण की सेवा के प्रति उल्लेखनीय समर्पण प्रदर्शित किया। संस्था ने उनके प्रयासों को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया है।

इंग्लैंड स्थित वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस की ओर से जारी प्रमाणपत्र में माधुकांत दास की आध्यात्मिक गतिविधियों और ग्रंथों के अध्ययन–वाचन का उल्लेख किया गया है। प्रमाणपत्र 30 अगस्त 2026 को जारी किया गया है। इसे Incredible India Edition 2026 के तहत प्रदान किया गया है।

कम उम्र में आध्यात्मिक ग्रंथों के अध्ययन और उनके वाचन में पहचान बनाने वाले माधुकांत दास की इस उपलब्धि से वृंदावन के संत समाज और स्थानीय लोगों में खुशी है। लोगों ने इसे ब्रज की आध्यात्मिक परंपरा के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

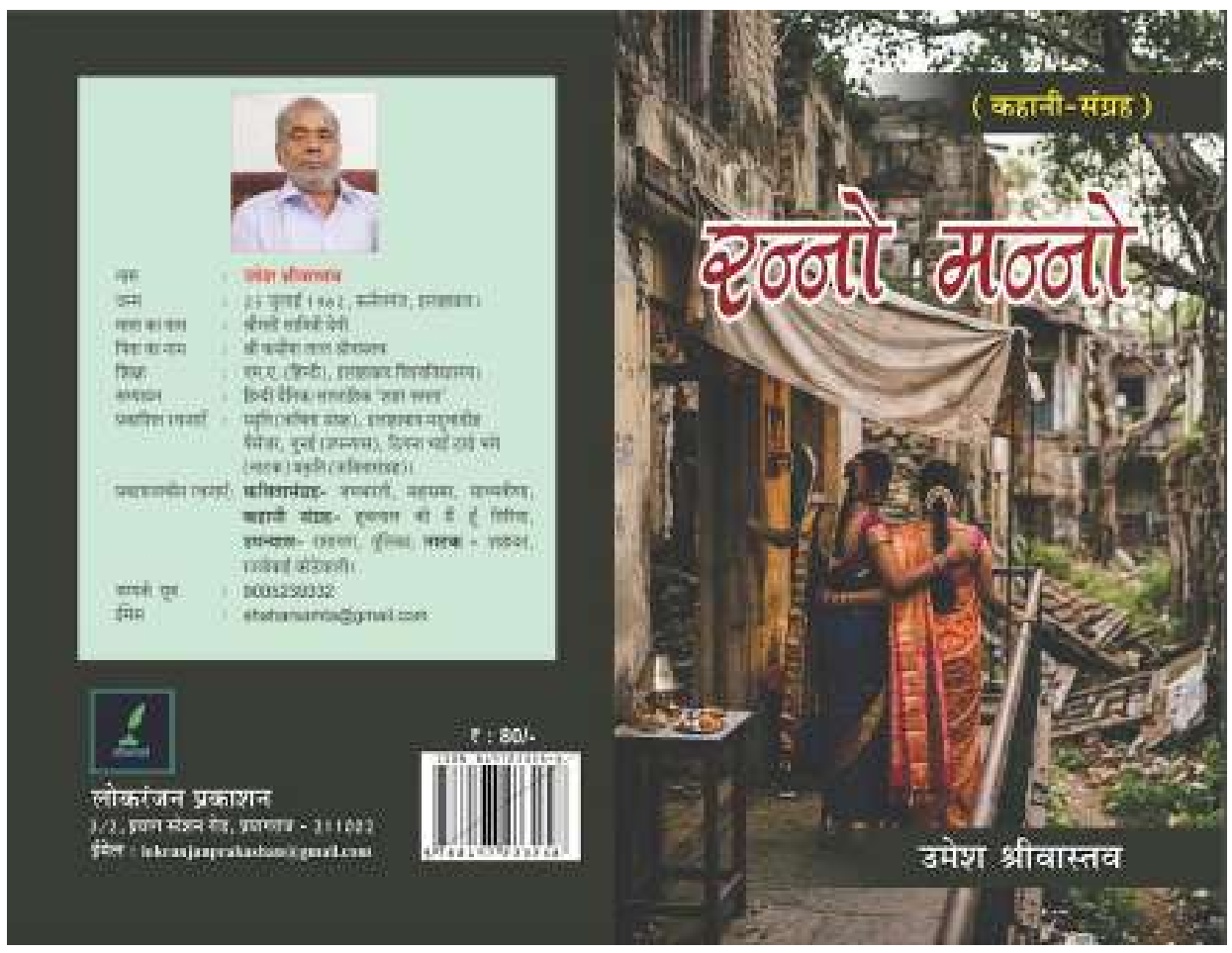

सावन से ज्यादा भादो में हो सकती है बारिश, छह दिन अलर्ट

प्रयागराज। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सावन से ज्यादा भादो में बारिश हो सकती है। शनिवार ही नहीं रविवार को भी जोरदार बारिश हुई। रविवार को सुबह पांच घंटे हुई लगातार बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सावन से ज्यादा भादो में बारिश हो सकती है। शनिवार ही नहीं रविवार को भी जोरदार बारिश हुई। रविवार को सुबह पांच घंटे हुई लगातार बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया। लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे के भीतर 14 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है।

पहले सुबह फिर दोपहर में करीब एक बजे से हुई बारिश ने करीब दो घंटे विराम लिया, फिर झमाझम के साथ देर रात तक रिमझिम बारिश का क्रम जारी रहा। मौसम विभाग ने अगले छह दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। ऐसे में पांच सितंबर तक लगातार भारी बारिश के आसार हैं। पूर्वानुमान है कि इस दौरान अधिकतम तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस से कम रह सकता है। रात में रिमझिम बारिश के बीच उमस हावी रही।

सुबह से रात तक रुक–रुक कर हो रही बारिश की वजह से शहर के रामबाग, सीएमपी, जार्जटाउन, सीएमपी क्रॉसिंग, मेडिकल चौराहे पर आरओबी के छोर, लीडर रोड, क्रॉस्थवेट से बैरहना तक, बाई का बाग में बंगाली टोला समेत कई इलाकों में पानी भरने से लोगों को दिक्कत हुई। जहां से पानी निकल गया, वहां कीचड़ फैलने से फिसलन बढ़ गई।

हाईकोर्ट: शव की बॉक्सर जैसी आकृति व्यक्ति के जिंदा जलाने का सबूत नहीं, आजीवन कारावास की सजा बरकरार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जले शव का हाथ–पैर मुड़कर 'बॉक्सर जैसी आकृति' में आ जाना यह साबित नहीं करता कि व्यक्ति को जिंदा जलाया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि तेज गर्मी से मांसपेशियों के सिकुड़ने से शव में यह आकृति बन सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जले शव का हाथ–पैर मुड़कर 'बॉक्सर जैसी आकृति' में आ जाना यह साबित नहीं करता कि व्यक्ति को जिंदा जलाया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि तेज गर्मी से मांसपेशियों के सिकुड़ने से शव में यह आकृति बन सकती है। यह स्थिति व्यक्ति की मौत से पहले या बाद में जलाए जाने से दिखाई दे सकती है। कोर्ट ने अन्य चिकित्सकीय साक्ष्यों के आधार पर विवाहिता की मौत को एंटी–मॉर्टम बर्न यानी जीवित अवस्था में जलने का मामला माना।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने अशोक कुमार की अपील खारिज कर उसकी दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी। अलीगढ़ निवासी अशोक ने जून 1982 में सुनीता से शादी की थी। आरोप था कि शादी के बाद अशोक व अन्य टीवी और बाइक की मांग करते थे। जुलाई 1986 को सुनीता के पिता जब गांव पहुंचे तो घर के अंदर सुनीता का आधा जला शव मिला। मामले में ट्रायल कोर्ट ने 1990 में याची को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की। कोर्ट ने पाया कि पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने शव को बॉक्सर पोजिशन में पाया था। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि इस मामले में बॉक्सर पोजिशन अकेला साक्ष्य नहीं था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जलने के घावों के किनारों पर लालिमा और गहरे एंटी–मॉर्टम बर्न मिले थे। कोर्ट ने बचाव पक्ष की दुर्घटनावश आग लगने की दलील को स्वीकार नहीं की। कोर्ट ने यह भी कहा कि सुनीता की मौत आरोपियों के घर के अंदर हुई थी। ऐसे में आरोपियों से अपेक्षा थी कि वे बताते कि सुनीता किस तरह जलीं। उनका स्पष्टीकरण अभियोजन के मामले को कमजोर करने में विफल रहा। कोर्ट ने अपील खारिज कर दोष सिद्धि और सजा बरकरार रखी।

समीक्षा की शक्ति का उपयोग अपील के तौर पर नहीं कर सकते, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की समीक्षा याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि समीक्षा की शक्ति का उपयोग अपील के तौर पर नहीं किया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की समीक्षा याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि समीक्षा की शक्ति का उपयोग अपील के तौर पर नहीं किया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने यीडा की पुनर्विचार याचिका पर दिया है।

यीडा ने 11 जुलाई 2017 के आदेश से प्लॉट के लिए जमा लीज रेंट, जुर्माना और मैप पूर्णता की रकम रोक ली थी। इस आदेश को मेसर्स लॉजिक्स इन्फ्राबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड ने मूल रिट याचिका में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार कर यीडा के आदेश को रद्द कर दिया था। साथ ही यीडा को 43.20 करोड़ रुपये की शेष राशि 15 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस करने का आदेश दिया था। इस फैसले के खिलाफ यीडा ने समीक्षा याचिका दायर की। कोर्ट ने कहा कि प्रोजेक्ट सेटलमेंट पॉलिसी उस स्थिति में लागू होती है, जब बिल्डर या आवंटी परियोजना पूरी करने में असमर्थ हो। मौजूदा मामले में ऐसी स्थिति बिल्डर के कारण नहीं थी, बल्कि यीडा ने लॉजिक्स को शेष भूमि उपलब्ध नहीं कराई थी। कोर्ट ने कहा कि मूल फैसले में इस पहलू पर पर्याप्त विचार किया जा चुका है। उसमें समीक्षा या पुनर्विचार की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने कहा कि समीक्षा का दायरा सीमित है। रिकॉर्ड पर ऐसी स्पष्ट त्रुटि होनी चाहिए, जो पहली नजर में दिखाई दे और उसके लिए लंबी दलील या तर्क की आवश्यकता न हो। कोर्ट ने पाया कि समीक्षा में उठाए गए सभी आधारों पर मूल याचिका में विचार किया जा चुका था। इसलिए समीक्षा के जरिये मामले को फिर से सुनने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसी के साथ कोर्ट ने 16 नवंबर 2023 के फैसले को बरकरार रख यीडा की समीक्षा याचिका खारिज कर दी।

तटवर्ती इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी

प्रयागराज। जिला प्रशासन ने तटवर्ती इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मिर्जापुर में रविवार शाम सात बजे अंदवा डैम और मेजा डैम से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद प्रयागराज में सोमवार सुबह तक एक मीटर जलस्तर बढ़ने की संभावना है। जिला प्रशासन ने तटवर्ती इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मिर्जापुर में रविवार शाम सात बजे अंदवा डैम और मेजा डैम से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद प्रयागराज में सोमवार सुबह तक एक मीटर जलस्तर बढ़ने की संभावना है। मिर्जापुर में बेलन नदी पर स्थित अंदवा डैम से 17911.80 क्यूसेक और मेजा डैम से 18323 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिसके कारण नरौदा पिकप वियर पर रविवार रात आठ बजे 66709 क्यूसेक का डिस्चार्ज हुआ है। यह रविवार सुबह आठ बजे के डिस्चार्ज 40126 क्यूसेक के मुकाबले 26583 क्यूसेक अधिक है।

गंगा यमुना उफान पर : आबादी क्षेत्र में पहुंचा पानी, खतरा बढ़ा

प्रयागराज। संगम नगरी में गंगा–यमुना का बढ़ता दबाव अब डराने लगा है। प्रयागराज के फाफामऊ, नैनी और इलाहाबाद लेवल स्टेशनों पर जलस्तर लगातार ऊपर की ओर दर्ज किया गया है। गंगा–यमुना के बढ़ते पानी के बीच शहर के निचले इलाकों में बाढ़ की विभीषिका साफ दिखाई देने लगी है। संगम क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध लेटे हनुमान मंदिर तक भी पानी पहुंचने से हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

गंगा और यमुना में लगातार बढ़ता पानी निचले इलाकों में आबादी क्षेत्र तक पहुंच गया। हालात रविवार की अपेक्षा सोमवार को और अधिक चिंताजनक हो गए। दोनों नदियों का पानी दिनभर तेजी से बढ़ता रहा। सोमवार शाम चार बजे तक फाफामऊ में 82.72 मीटर पर और यमुना का जलस्तर नैनी में 82.32 मीटर पर पहुंच गया। छतनाग में गंगा का जलस्तर 81.94 मीटर दर्ज किया गया। नदियों का का चेतावनी बिंदु 83.73 मीटर पर और खतरे का निशान 84.734 मीटर पर है।

गंगा और यमुना चेतावनी बिंदु से लगभग मीटर नीचे है। रविवार की अपेक्षा सोमवार दोपहर तक निचले इलाकों में भरा पानी और आगे तक बढ़ गया। शाम तक आबादी के एक बड़े हिस्से तक जलभराव की आशंका है। दारागंज में प्रभावित परिवार जरूरी सामान सुरक्षित स्थानों पर ले जाने लगे। दारागंज से नागवासुकि की ओर जाने वाली रिंग रोड पानी में पूरी तरह डूब गई।

छोटा बघाड़ा और सलोरी क्षेत्र में भी पानी पहुंच गया। लोगों ने घरों से सामान समेटना शुरू कर दिया है। रसूलाबाद घाट तक पानी पहुंचने के कारण अंतिम संस्कार प्रभावित हो गए। अब व्यवस्था और आगे की ओर कर दी गई है। घाट पर आने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

उधर, यमुना नदी भी उफान पर है। गऊघाट, बलुआघाट और बरगदघाट के आसपास के निचले इलाकों में पानी पहुंचने से लोग घरेलू सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे रहे। प्रशासन ने निचले इलाकों और नदी किनारे रहने वालों को सतर्क करना शुरू कर दिया है। मुनादी कराकर अलर्ट किया जा रहा है।

जलभराव का डर, बाशिंदे दरबदर

रविवार को थम–थमकर पांच घंटे हुई बारिश की वजह से शहर के कई इलाकों में फिर जलभराव गया। कालिंदीपुरम में शादाब चौराहे से महर्षि स्कूल रोड तक घरों में पानी घुसने से पहले जैसे हालात पैदा हो गए। परेशानी तब और बढ़ गई जब एक बार की बारिश का पानी निकलते ही कुछ ही घंटे में फिर बारिश होने लगती। लगातार ऐसे हालात बनने से कालिंदीपुरम के लोग घर छोड़कर जाने लगे हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जलभराव की समस्या से परेशान होकर नाते–रिश्तेदारों के यहां शरण ले रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग किराये का मकान तलाश रहे हैं। कुछ तो छोड़कर चले भी गए हैं। दिक्कत ये है कि एक बार पानी घर के भीतर भर जाता है तो अगली सुबह सीवर का ढक्कन खोलने पर ही बाहर निकलता है। यह पीड़ा कालिंदीपुरम और आसपास के इलाकों में लगातार बनी हुई है।

रविवार को हर घंटे की बारिश लोगों की बेचैनी बढ़ा रही थी। करैलाबाग, इस्लाम नगर, आनंदपुरम जाफरी कॉलोनी, बेनीगंज, राजरूपपुर, कालिंदीपुरम व भावापुर में लोगों के माथे की लकीरें पूरा दिन तनी रहीं। सिर्फ एक घंटे की बारिश में ही नालों का पानी मोहल्लों की गलियों में बहना शुरू हो गया। बारिश बढ़ी तो गलियों का पानी उफनाकर घरों में पहुंचने लगा।

साउथ मलाका स्थित आजाद स्क्वायर निवासी सिद्धार्थ सौरभ और महेंद्र यादव ने बताया कि तीन दिन से बारिश बराबर हो रही है। घर में घुटने तक पानी भर गया है। ऐसे में समझ में नहीं आ रहा कि क्या करें? एक बार पानी भरने के बाद निकलने में चार से पांच घंटे लग जाते हैं। इसी बीच दोबारा बारिश होने पर पानी फिर भरने लगता है।

शहर के मुख्य मार्ग हुए जलमग्न

लगातार बारिश की वजह से राजरूपपुर पार्षद आवास के आगे, मधवापुर सब्जी मंडी, सीएमपी डिग्री कॉलेज के पास, चिंतामणि रोड, कोठापार्चा, रामबाग, अलोपीबाग, लीडर रोड, हाईकोर्ट पानी टंकी के पास, सुलेम सरायं नेहरू पार्क, रेलवे मुख्यालय डाट पुल के नीचे, मुट्ठीगंज स्थित आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के पास, बनर्जी चौराहा व मीरापुर सहित कई इलाकों में पानी भर गया।

जलमग्न हुए मुख्य मार्ग

चौफटका पुल के नीचे, महाराणा प्रताप चौराहा, सीएमपी डिग्री कॉलेज से मधवापुर सब्जी मंडी, मेडिकल चौराहा, बाई का बाग, पत्रिका मार्ग सहित कई मार्गों पर जल भराव हो गया। यहां आवागमन बाधित रहा।

जार्जटाउन व अल्लापुर में बेहतर हुई जल निकासी

हालांकि अल्लापुर व जार्जटाउन में जल निकासी पहले से बेहतर हुई है। अब बारिश के बाद चार से पांच घंटे के भीतर पानी निकलने लगा है। स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

जल निकासी के लिए नियमित प्रयास किए जा रहे हैं। शिकायत मिलने पर टीम मौके पर पहुंचकर पानी निकालने का काम कर रही हैं। शहर के बड़े नालों की सफाई भी कराई जा रही है। – शादाब असलम, अपर नगर आयुक्त।

मंडराने लगा खतरा... राहत केंद्र खोलने की तैयारी

गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी जारी रही तो शहर में बनाए गए बाढ़ राहत शिविर खोल दिए जाएंगे। राहत चौकियों को सक्रिय किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह ने बताया कि प्रशासन ने संभावित बाढ़ से निपटने के लिए तैयारी पूरी कर ली है। स्थिति बिगड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कराया जाएगा।

यहां बढ़ेगा बाढ़ का असर

गंगा किनारे बसे छोटा बघाड़ा, बड़ा बघाड़ा, झूंसी, फाफामऊ, नेवादा–चांदपुर, गोविंदपुर सलोरी, राजापुर बेली कछार, शिवकुटी–रसूलाबाद, अल्लापुर–मीरापुर में निचले हिस्सों में पानी घुसने के आसार हैं। जलभराव और आवागमन बाधित होने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की परेशानी होगी। संगम–दारागंज, दरियाबाद–गऊघाट, करेली–गौसनगर और नैनी आदि प्रमुख जगहों में यमुना का पानी बढ़ने पर जलभराव, घरों के ग्राउंड फ्लोर में पानी पहुंचने और आवागमन प्रभावित होने की आशंका है।

सबसे बड़ी चिंता रू घर, बिजली, पानी और आवागमन

जलस्तर और बढ़ने पर इन इलाकों में घरों में पानी घुसने, सड़कों पर आवागमन ठप होने, बिजली आपूर्ति प्रभावित होने, पेयजल और जलनिकासी की समस्या बढ़ने के साथ लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की जरूरत पड़ सकती है। पिछली बार बाढ़ में जॉर्जटाउन, टैगोर टाउन, अल्लापुर और करेली जैसे निचले इलाकों में भी जलभराव से लोगों को परेशानी हुई थी।

यूपीपीएससी का आकाश गंगा: जिस तल की अनुमति, वहीं तक प्रवेश, नए भवन में परीक्षा गोपनीयता की अभेद्य दीवार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) का नया भवन अब सिर्फ सरकारी कार्यालय नहीं रहेगा, बल्कि देश के लोक सेवा आयोगों के लिए आधुनिक परीक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था का नया मॉडल बनेगा।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) का नया भवन अब सिर्फ सरकारी कार्यालय नहीं रहेगा, बल्कि देश के लोक सेवा आयोगों के लिए आधुनिक परीक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था का नया मॉडल बनेगा। 11 मंजिला इस परिसर में जिस भी व्यक्ति को जिस तक की अनुमति होगी उसे वहीं तक प्रवेश मिलेगा। आयोग परिसर में करीब 23 हजार वर्गफीट में बन रहा 11 मंजिला 'आकाश गंगा' भवन निर्माण के अंतिम चरण में है। भवन की छत का काम पूरा हो चुका है। अक्तूबर तक निर्माण पूरा होने की उम्मीद है और नवंबर में मुख्यमंत्री के हाथों इसका लोकार्पण कराने की तैयारी है।

भवन के मुख्य प्रवेश द्वार पर बद्रीनाथ की तर्ज पर आदि शंकराचार्य की प्रतिमा की प्रतिकृति स्थापित की जाएगी। भवन की दीवारों पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों और चित्रों को उकेरा जाएगा। नए भवन में सुरक्षा व्यवस्था को सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है। बायोमीट्रिक एंट्री, एक्सेस कार्ड, अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे और अलग कंट्रोल रूम के जरिये हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी।

जिस अधिकारी, कर्मचारी या आगंतुक को जिस तल पर जाने की अनुमति होगी, वह केवल उसी तल तक पहुंच सकेगा। एक सेक्शन से दूसरे सेक्शन में अनधिकृत प्रवेश लगभग असंभव होगा। अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक्सेस कार्ड जारी किए जाएंगे। इस व्यवस्था का मकसद आयोग के कामकाज में पारदर्शिता के साथ ही परीक्षाओं की गोपनीयता को मजबूत करना है।

चार हजार अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा सुविधा

नए भवन में करीब चार हजार परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा सुविधा उपलब्ध होगी। लखनऊ में होने वाली परीक्षाओं को भी यहां कराने की योजना है। भूतल पर दो मल्टीपर्पज हॉल, दो कंप्यूटर परीक्षा हॉल, दो कंप्यूटर कक्ष और दो कंप्यूटर टेस्ट कक्ष बनाए जा रहे हैं। द्वितीय तल पर बड़ा परीक्षा हॉल और अभ्यर्थियों के लिए प्रतीक्षालय होगा। परीक्षा से जुड़े क्षेत्रों में भी नियंत्रित प्रवेश की व्यवस्था होगी।

इंटरव्यू बोर्ड का पता नहीं चलेगा

साक्षात्कार व्यवस्था को भी नए भवन में पूरी तरह गोपनीय और तकनीक आधारित बनाया जा रहा है। अलग–अलग इंटरव्यू कक्ष होंगे। अभ्यर्थी को यह भी पता नहीं चलेगा कि उसका साक्षात्कार किस बोर्ड के सामने होना है। अब तक सदस्यों के कक्ष में होने वाले साक्षात्कार के मुकाबले यह व्यवस्था ज्यादा सुरक्षित और गोपनीय होगी।

अध्यक्ष से लेकर गोपनीय विभाग तक अलग–अलग तल

भूतल : अध्यक्ष, सदस्यों और अधिकारियों के हाईटेक कार्यालय, मल्टीपर्पज हॉल और कंप्यूटर परीक्षा कक्ष।

पहली मंजिल: पूछताछ केंद्र, टेलीफोन एक्सचेंज, प्रमाणपत्र जांच केंद्र और फायर कंट्रोल रूम।

दूसरी मंजिल : परीक्षा हॉल, इंटरव्यू कक्ष और अभ्यर्थियों का प्रतीक्षालय।

तीसरी मंजिल : अध्यक्ष का कार्यालय और अलग इंटरव्यू कक्ष।

चौथी मंजिल : आयोग के सदस्यों के कक्ष। यहां नेम प्लेट नहीं होगी।

पांचवीं मंजिल : सेवा सेक्शन और सीधी भर्ती से जुड़े काम।

छठी मंजिल : कार्यालय।

सातवीं मंजिल : सचिव और वित्त विभाग।

आठवीं मंजिल : गोपनीय कंप्यूटर कक्ष।

नौवीं से 11 वीं मंजिल : परीक्षा विभाग।

भवन की छत का काम पूरा हो चुका है। निर्माण कार्य की प्रगति की प्रत्येक सप्ताह समीक्षा की जा रही है। उम्मीद है कि अक्तूबर तक काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद भवन के भव्य लोकार्पण की तैयारी की जाएगी। – गिरिजेश त्यागी, सचिव

रक्षाबंधन पर 3.54 लाख ने रोडवेज बसों में किया फ्री सफर, अयोध्या रूट पर दिखी सर्वाधिक भीड़

प्रयागराज। प्रयागराज में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाइयों की कलाई पर राखी बांधने और घर लौटने वाले यात्रियों के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की मुफ्त बस सेवा वरदान साबित हुई। प्रयागराज में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाइयों की कलाई पर राखी बांधने और घर लौटने वाले यात्रियों के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की मुफ्त बस सेवा वरदान साबित हुई। 27 की सुबह छह बजे से 29 अगस्त की रात 12 बजे तक संचालित इस मुफ्त बस सेवा के जरिए यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन की लंबी दूरी की बसों और सिटी बसों से तकरीबन 3.54 लाख यात्रियों ने सफर कर अपने गंतव्य तक की यात्रा पूरी की।त्योहार के इन तीन दिनों के दौरान यात्रियों की सबसे भारी भीड़ प्रयागराज–अयोध्या मार्ग पर देखने को मिली, जहां अकेले रक्षाबंधन के आसपास हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं और यात्रियों ने आवागमन किया। परिवहन निगम के आंकड़ों के मुताबिक, लंबी दूरी की बसों में सफर करने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता रहा। 27 अगस्त को 55 हजार, 28 अगस्त को 1.32 लाख और 29 अगस्त को सर्वाधिक 1.39 लाख यात्रियों ने मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया। इन तीन दिनों में प्रयागराज रीजन के नौ डिपो की बसों से कुल 3.26 लाख महिलाओं और उनके साथ एक पुरुष सहकर्मी ने फ्री सफर किया। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर आवागमन के लिए चलाई गई सिटी बसों से भी बड़ी संख्या में लोगों ने राहत महसूस की। सिटी बसों में 27 अगस्त को 8,315 ने फ्री सफर किया। 28 अगस्त को 12,000 और 29 अगस्त को 7,400 यात्रियों ने सफर किया, जिससे तीन दिनों में सिटी बस यात्रियों की कुल संख्या 27,715 दर्ज की गई। वहीं, विशेष आकर्षण का केंद्र रही डबल डेकर बसों का लाभ भी सैकड़ों यात्रियों ने उठाया।

मेमू ट्रेन पर पथराव के आरोप में छह गिरफ्तार, दो नाबालिग भी शामिल

प्रयागराज। प्रयागराज–वाराणसी रेलखंड पर अहीमनपुर हॉल्ट के पास मेमू ट्रेन पर पथराव के मामले में रामबाग आरपीएफ ने रविवार को दो नाबालिगों समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रयागराज–वाराणसी रेलखंड पर अहीमनपुर हॉल्ट के पास मेमू ट्रेन पर पथराव के मामले में रामबाग आरपीएफ ने रविवार को दो नाबालिगों समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। चार आरोपियों को वाराणसी कोर्ट में पेश किया गया, जबकि दोनों नाबालिगों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। 28 अगस्त को गाड़ी संख्या 65113 मेमू ट्रेन जब अहीमनपुर हॉल्ट के पास से गुजर रही थी, तब कुछ युवकों ने पथराव कर दिया था। उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। रामबाग आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक दया शंकर यादव की टीम ने वीडियो फुटेज के आधार पर छापा मारकर कृष्ण कुमार उर्फ कृष्णा यादव, अभिषेक प्रजापति, आदर्श कुमार प्रजापति और आदित्य गुप्ता को दबोच लिया। इनके अलावा दो नाबालिग पकड़े गए। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने एक महिला पर कागज फेंके थे, जिसका विरोध करने पर उन्होंने इस उपद्रव को अंजाम दिया। हाल ही में आरपीएफ प्रयाग ने वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव के आरोप में भी एक युवक को गिरफ्तार किया था।

कसारी मसारी में अतीक की बेनामी संपत्ति पर बनेगी एक और आवासीय योजना, तैयारी शुरू

प्रयागराज। चकिया के कसारी मसारी में माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति पर पद्म लोक आवास योजना को मंजूरी मिलने के बाद अतीक की ही बेनामी संपत्ति पर एक और आवासीय योजना का निर्माण कराया जाएगा। चकिया के कसारी मसारी में माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति पर पद्म लोक आवास योजना को मंजूरी मिलने के बाद अतीक की ही बेनामी संपत्ति पर एक और आवासीय योजना का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने तैयारियां शुरू कर दीं हैं। चकिया के कसारी मसारी में माफिया अतीक की बेनामी संपत्ति पर पीडीए की ओर से पद्म आवास योजना के तहत 2–बीएचके वाले 602 फ्लैट्स बनाए जाने हैं। इसके लिए पीडीए को रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) की हरी झंडी से मिल चुकी है। पीडीए की ओर से 9811.35 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में पार्किंग व 14 मंजिल की आवासीय योजना का निर्माण कराया जाएगा। पहले चरण में निर्माण कार्य के दौरान 150 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। दूसरे चरण में 6440.61 वर्ग मीटर जमीन पर एक अन्य बहुमंजिला आवासीय योजना का निर्माण कराया जाना है। पहले चरण की तरह दूसरे चरण में भी ग्रुप हाउसिंग का निर्माण माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति पर कराया जाना है। हालांकि, दूसरे चरण में कितने और किस प्रकार के फ्लैट बनाए जाएंगे, यह अभी तय नहीं है। पीडीए की ओर से मांगे गए सुझाव में तकरीबन 1200 लोगों ने अपने सुझाव दिए थे और इनमें से 70 फीसदी लोगों ने 2–बीएचके फ्लैट को वरीयता दी थी।

दूसरे चरण में भी मिलेंगी कई सुविधाएं

चकिया के कसरी मसारी में दूसरे चरण की आवास योजना में भी लोगों को कई तरह की सुविधाएं मिलेंगी। सौर पैनलों के माध्यम से स्वच्छ व नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग किया जाएगा। वैज्ञानिक रूप से विकसित वर्षा जल निकासी की व्यवस्था होगी। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनेगा।

चकिया के कसारी मसारी में कुल 16251.96 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में आवासीय योजना का निर्माण कराया जाना है। पहले चरण में 9811.35 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में पद्म आवास योजना को रेरा से हरी झंडी मिल चुकी है जिसके तहत 602 फ्लैट्स बनाए जाने हैं। दूसरे चरण में 6440.61 वर्ग मीटर क्षेत्रफल पर आवासीय योजना का निर्माण कराया जाना है। –उपाध्यक्ष, ऋषि राज, प्रयागराज विकास प्राधिकरण

संक्षिप्त

राज्यपाल नें सर्वांगीण गतिविधि के लिए भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी को किया सम्मानित

लखनऊ (संवाददाता)। राज भवन में आयोजित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की वार्षिक ।ळड में लखनऊ रेड क्रॉस सोसाइटी को सर्वांगीण गतिविधि में राज्यपाल महोदया पुरस्कृत किया गया। लखनऊ रेड क्रॉस सोसाइटी के कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता एवम आपदा प्रबंधन अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह ने प्रमाण पत्र प्राप्त किया इस अवसर पर मंच पर आदरणीय राज्यपाल महोदया उपमुख्य मंत्री,सभापति ब्रजेश पाठक उपसभापति अमर नाथ मिश्र सचिव रामानंद कटियार जी संयुक्त सचिव भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भारत दिल्ली से संयुक्त सचिव श्रीमति बांसुरी जी एवं सभी जिलो से आये सदस्य उपस्थित रहे। लखनऊ के सचिव अमर नाथ मिश्र ने बताया कि लखनऊ की टीम ने रक्त दान 297 486पोषण पोटली क्षय रोगी को सदस्यता में 8 पैटर्न मेंबर बना कर 6 मरीजों को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराया 50 व्हील चेयर 50 स्ट्रेचर हॉस्पिटल को एवम कंबल वितरण जाड़े में, 10 ट्राई साइकिल दिव्यांगों को प्रदान की वर्ष 2025,2026 में।

'बच्चों को मिली रिश्ते जोड़ने की सीख,बेसिक विद्यालय में दादी नानी की कहानी

लखनऊ (संवाददाता)। लोक संस्कृति शोध संस्थान की मासिक श्रृंखला दादी नानी की कहानी जीतेश की जुबानी का 84वां आयोजन सोमवार को बीकेटी स्थित बेसिक विद्यालय कमलाबाद बढ़ौली में हुआ। स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने दर्जी की सीख कहानी के माध्यम से बच्चों को रिश्तों को तोड़ने के बजाय जोड़ने और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मनोरंजक खेल से हुआ। कहानी में दर्जी द्वारा कैंची को नीचे और सुई को ऊपर रखने के माध्यम से समझाया गया कि तोड़ने वाले की जगह नीचे और जोड़ने वाले की जगह हमेशा ऊपर होती है। बच्चों ने कहानी के संदेश को उत्साहपूर्वक आत्मसात किया। अर्चना गुप्ता ने बच्चों को कविता सुनाई जिसे बच्चों ने दोहराया। वरिष्ठ गायिका आशा श्रीवास्तव ने प्रेरक पंक्तियों का सामूहिक गायन कराया। इस अवसर पर संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी, लोक कथा प्रभारी शम्भू शरण वर्मा, समाजसेवी अवनीश कुमार सिंह, विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापक किरन त्रिवेदी, अंजुला चौधरी, एकता श्रीवास्तव, दिनेश यादव, ऊषा तिवारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

कायस्थ रक्षा वाहिनी की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

संगठन को मजबूत करने एवं आगामी चुनावों को लेकर बनी रणनीति

लखनऊ (संवाददाता)। कायस्थ रक्षा वाहिनी की एक महत्वपूर्ण बैठक कल 30 अगस्त को सम्पन्न हुई, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर संगठन की आगामी कार्ययोजना एवं सामाजिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक में संगठन के कोषाध्यक्ष श्री विशाल श्रीवास्तव को समाजवादी पार्टी में राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर संगठन की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री विशाल श्रीवास्तव अपने नए दायित्व का निर्वहन करते हुए समाज एवं संगठन के हितों को मजबूती प्रदान करेंगे। बैठक का प्रमुख विषय संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने को लेकर रहा। इस दौरान संगठन के विस्तार, अधिक से अधिक सामाजिक प्रतिनिधियों एवं युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा विभिन्न क्षेत्रों में संगठन की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने पर विचार–विमर्श किया गया। इसके साथ ही आगामी बार चुनावों को ध्यान में रखते हुए समाज के प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को संगठन की ओर से किस प्रकार सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया जाए, इस विषय पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि संगठन सामाजिक हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के साथ–साथ समाज के योग्य एवं सक्रिय प्रतिनिधियों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करेगा।कार्यक्रम का आयोजन संगठन के पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। बैठक में संगठन के अध्यक्ष रामायण श्रीवास्तव, महासचिव गौरव श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष शिवेंद्र श्रीवास्तव, संयोजक आकाश श्रीवास्तव, अनुत्त सिंहा, संजीव श्रीवास्तव, पूर्वी प्रदेश अध्यक्ष सुधांशु श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन को और अधिक सक्रिय, मजबूत एवं समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

'अंकित बालियान हत्याकांड पर सुनील सिंह ने उठाए यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल'

लखनऊ (संवाददाता)। हत्या के बाद दो आरोपियों को मुठभेड़ में ढेर करना सराहनीय बताया जा रहा है, लेकिन घटना से पहले पुलिस कहां थी? शामली में अंकित बालियान की हत्या के बाद पुलिस द्वारा दो कथित आरोपियों को मुठभेड़ में ढेर किए जाने पर लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सुनील सिंह ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर सवाल नहीं है। यदि दोनों व्यक्ति अंकित बालियान हत्याकांड में शामिल थे और पुलिस कार्रवाई कानून के अनुसार हुई है तो अपराधियों पर कार्रवाई निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब अंकित बालियान की हत्या हुई, तब पुलिस कहां थी? उन्होंने कहा, "घटना होने के बाद पुलिस ने तेजी दिखाई और दो कथित शूटरों को ढेर कर दिया। पुलिस ने अपनी कार्रवाई से वाहवाही जरूर हासिल कर ली, लेकिन जनता यह जानना चाहती है कि घटना से पहले पुलिस की खुफिया व्यवस्था और कानून–व्यवस्था की निगरानी कहां थी?" लोकदल अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी हत्या के बाद पुलिस की कार्रवाई को केवल मुठभेड़ तक सीमित नहीं किया जा सकता। असली जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि अपराध होने ही न पाए। यदि पुलिस को अपराधियों की जानकारी थी तो उन्हें पहले क्यों नहीं पकड़ा गया? और यदि जानकारी नहीं थी तो प्रदेश की खुफिया एवं कानून–व्यवस्था व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सुनील सिंह ने कहा कि अंकित बालियान के परिवार को न्याय मिलना चाहिए और पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पुलिस कार्रवाई की भी जांच हो, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मुठभेड़ किन परिस्थितियों में हुई और इसमें कानून की सभी प्रक्रियाओं का पालन किया गया या नहीं। उन्होंने कहा, "पुलिस को अपराध होने के बाद शाबाशी लेने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि अपराध होने से पहले उसे रोकने वाली व्यवस्था बनना होगा।

गंगानाथ झा परिसर में संस्कृत सप्ताह महोत्सव सम्पन्न

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत अन्तर्विद्यालय स्तरीय एवं महाविद्यालयस्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में जहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर–विद्यावारिधि वर्ग के अन्तर्गत पञ्चग्रन्थकण्ठपाठ प्रतियोगिता (सम्पूर्ण वेदान्तसार, सम्पूर्ण साङ्ख्यकारिका, सम्पूर्ण अर्थसङ्ग्रह, सम्पूर्ण तर्कसंग्रह, कारिकावली–अनुमानखण्ड), काव्यप्रकाशकण्ठपाठप्रतियोगिता (1 से 3 उल्लास), एकपात्राभिनय प्रतियोगिता, संस्कृत गीत प्रतियोगिता, संस्कृत गीतेन सह नृत्यम्, संस्कृत प्रश्न मंञ्च प्रतियोगिता प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया वहीं अन्तर्विद्यालयीय प्रतियोगिताओं में गीता अमरकोष, संक्षेप रामायण, पाणिनीय अष्टाध्यायी जैसी प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर उन सभी का उत्साहवर्धन किया गया। प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों एवं गुरुकुलों के छात्र–छात्राओं सहित अनेकों वेद विद्यालयों, महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। सम्पूर्ति सत्र की विशिष्ट अतिथि श्रीमती नेहा गुप्ता, निदेशक, आकाशवाणी, प्रयागराज रहीं। मुख्य अतिथि के रूप में परिसर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ आचार्य प्रो. बनमाली बिस्वाल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन के द्वारा प्रतिभागियों के ज्ञानकोष में वृद्धि की। मञ्च में उपस्थित सभी विद्वानों ने प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र–छात्राओं को प्रमाणपत्र, संस्कृत पुस्तक एवं स्मारिका देकर सम्मानित किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. बनमाली बिस्वाल ने अपने व्याख्यान द्वारा संस्कृत भाषा की गहनता एवं समृद्धता से परिपूर्ण अपने स्वरचित पद्यों द्वारा छात्र–छात्राओं एवं प्रतिभागियों को परिचित कराया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती नेहा गुप्ता ने सर गंगानाथ झा की विद्वता को सम्पूर्ण विश्व में अद्वितीय बताते हुए उनके नाम पर स्थापित इस परिसर को विद्वता एवं संस्कार की शाला के रूप में व्याख्यायित किया।

आकाशवाणी प्रयागराज द्वारा संस्कृत संम्वर्धन हेतु किये जा रहे उपायों से परिचित कराते हुए उन्होंने भाषा को अच्छी प्रकार जानना, सोचना एवं समझने को भाषा की अभिव्यक्ति एवं उसकी शुद्धता का मानक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय "मणि" प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी छात्र–छात्राओं के प्रयासों की सराहना की तथा समस्त पुरस्कृत प्रतिभागियों को अनेकों शुभकामनाएँ दी। संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं अधोलिखित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालयीय कक्षा 6 से 8 हेतु गीता कण्ठ पाठ प्रतियोगिता में नैन्सी शुक्ला एवं साक्षी को प्रथम स्थान, निष्ठा एवं आंशी को द्वितीय स्थान तथा सिद्धि सहाय को तृतीय स्थान तथा अभीष्ट शुक्ल, कुमुद कुमारी एवं काव्यांजलि द्विवेदी को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विद्यालयीय कक्षा 9 से 12 संवर्ग में संक्षेप रामायण प्रतियोगिता में शिवानी द्विवेदी को प्रथम, उन्नति यादव एवं वेद ऋचा को द्वितीय स्थान तथा मीनाक्षी पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। सांत्वना पुरस्कार प्राप्त सुनिधि त्रिपाठी, सलोनी एवं अंशिका श्रीवास्तव को भी पुरस्कृत किया गया। गुरुकुल कक्षा 9 से 12 संवर्ग में आयोजित अमरकोष कण्ठ पाठ प्रतियोगिता में गणेश शुक्ल को प्रथम, खुशी शुक्ला को द्वितीय, आकांक्षा को तृतीय तथा रंजीत तिवारी, आयुष्मान, मयंक त्रिपाठी को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी वर्ग हेतु आयोजित अष्टाध्यायी कण्ठ पाठ प्रतियोगिता में अभिनव एवं अर्पित को प्रथम स्थान, नैतिक पाण्डेय को द्वितीय स्थान, मारुत को तृतीय स्थान एवं राजा, सुप्रीता तिवारी तथा जयहिन्द को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय/महाविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रश्नमंच प्रतियोगिता में यशवंत को प्रथम, विकास साहू को द्वितीय एवं धरित्री को तृतीय पुरस्कार, एक पत्राभिनय प्रतियोगिता में अंजलि पाण्डेय को प्रथम, जेया अंजुम को द्वितीय, उद्भव को तृतीय तथा सौभाग्यलक्ष्मी एवं राममाधव को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। गीत प्रतियोगिता में प्रिन्सी को प्रथम, श्रद्धा शुक्ला को द्वितीय, पाकीजा शफक एवं श्रीनिधि को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में अंशिका दुबे एवं जेया अंजुम को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पञ्चग्रन्थ कण्ठपाठ प्रतियोगिता में विकास साहू को प्रथम एवं सुरेश को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन सभी पुरस्कृत प्रतिभागी छात्र–छात्राओं के साथ ही केन्द्रीय विद्यालय की छात्रा माधवी त्रिपाठी एवं गंगानाथ झा परिसर के एम. ए. द्वितीय वर्ष के छात्र शशांक गौतम को संस्कृत भाषा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत सप्ताह के संयोजक श्री अंकित मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन स्पर्धा संयोजक डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. रामरूप, डॉ. शुभश्री दास, डॉ. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, राजेशकान्त तिवारी, अंजू मिश्रा, मंजू के साथ समस्त अन्य शैक्षिक अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएँ सम्मिलित रहे।

काव्यगोष्ठी में श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

साहित्य साधक मंच का 229 वां कार्यक्रम संपन्न

बैंगलोर। प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच का 229 वां मासिक कार्यक्रम प्रयागराज के वरिष्ठ दोहाकार डॉ प्रदीप चित्रांशी की अध्यक्षता एवं सतीश कुमार गुप्ता जी के मुख्यआतिथ्य में संपन्न हुआ। विश्विष्ट अतिथि के रूप में मैसूर के वरिष्ठ कवि श्रीलाल जोशी, ग़ज़लकार प्रोफ़ेसर साकेत प्रवीर एवं कलाविद अभिजीत शेनाय ने मंच की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारम्भ पद्मा श्रीनिवासन वसुधा द्वारा प्रस्तुत माँ शारदे की वंदना से हुआ। मंचासीन अतिथियों का सम्मान अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर किया गया। प्रेम,भक्ति, श्रृंगार, हास्य,व्यंग्य और देश भक्ति के रस से ओत –प्रोत गीत ग़ज़ल, छंद ,दोहे और नई कविता की धारा अविरल बहती रहे और श्रोता मन्त्र मुग्ध होकर उसमें डुबकी लगाते रहे। काव्य गोष्ठी में प्रदीप कुमार चित्रांशी,डॉ. साकेत प्रवीर,श्री कृष्ण शर्मा श्अशेषश,सुरिंदर कोहली, अभिजीत शेनेय,अर्चना उपाध्याय,उदय प्रताप सिंह,सुशील कुमार,अर्जुन सिंह धरमधारी,रचना उनियाल ,नारायण सिंह ,वरुण दीक्षित, श्रीलाल जोशी,रजनी शाह, कावूरी नागलक्ष्मी,अनीता निहलानी,नयना जैन,बापू गौड़ा पाटिल,भूपेंद्र सिंह ष्कटाक्षष, अमित अनन्त, रघुबीर अग्रवाल श्बंधुश,सुधा अहलुवालिया,पद्मा श्रीनिवासन वसुधा,डॉ. पूनम सिन्हा,प्रभात रंजन,उमा नाग श्उर्मिश,गीता चौबे गूँज, प्रतीक्षा तिवारी, रघुबीर अग्रवाल, श्वेता शर्मा, राही राज़, प्रीति राही, रेखा श्रीवास्तव,पूनम बेलानी, काव्या खन्ना,उर्मिला श्रीवास्तव श्उर्मिश,उषा उमेश गुप्ता श्उमा श्सुमन राजपुरोहित,सरोज शर्मा,पहाड़ सिंह,और विनीता लवानिया ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं झूमने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ प्रदीप चित्रांशी ने अपने उद्बोधन में साहित्य साधक मंच द्वारा अहिन्दी भाषी प्रदेश में विगत 19 वर्षों से किये जा रहे हिंदी के कार्यक्रमों की सराहन की। श्रोताओं में डॉ नारायण रावत,रमेश शर्मा,परेश जैन,विट्ठल भाई पटेल,संतोषी जोशी,उमेश गुप्ता,अरविन्द मोहन अहलूवालिया,एम सी निहालानी ,माधु और शरद सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत स्वादिष्ट अल्पाहार की व्यवस्था गीता चौबे गूंज के सौजन्य से किया गया। सञ्चालन मंच के अध्यक्ष ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने किया।

जलभराव और आपसी विवाद की सूचना पर गांव खडेरा पहुंची प्रशासनिक टीम

मार्ग एवं नालियों का किया निरीक्षण, समस्या के समाधान के लिए दिए आवश्यक निर्देश

बलदेव। गांव खडेरा में जलभराव और आपसी विवाद की समस्या की सूचना पर सोमवार को प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। नायब तहसीलदार प्रद्युम्न त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी नेहा रावत, ग्राम विकास अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों ने गांव का निरीक्षण कर मार्गों एवं नालियों की स्थिति देखी और समस्या के समाधान के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कुछ ग्रामीणों से अधिकारियों की नोकझोंक भी हुई। अधिकारियों ने संयम बरतते हुए स्थिति को संभाला और जलभराव की समस्या को प्राथमिकता से दूर कराने के निर्देश संबंधित कर्मचारियों को दिए। बलदेव खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा और जलनिकासी की व्यवस्था प्रशासन की प्राथमिकता है। सफाई एवं जलनिकासी कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है तो पुलिस बल की मौजूदगी में कार्य कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को मार्ग एवं नालियों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। प्रशासनिक टीम ने मौके पर स्थिति का जायजा लेकर समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गड़ही पोखर ताल

(छप्पय)

ताल तलैया झील सरोवर कुंड जलाशय।
खुशहाली के स्त्रोत समझिए इनका आशय।
ऋतुओं का हर रूप समाहित खुद में करके।
हरियाली को बाँट हमेशा हर्षित रहते।
पानी की गगरी लिए बादल इनके पास में।
अठखेली उसे करें लेकर उसको विश्वास में।

गड़ही पोखर ताल बावड़ी सरसी पुष्कर।
करें सदा वह काम रहा जो हरदम दुष्कर।
अपनी चिंता छोड़ करें यह सबका पालन।
जुड़ मौसम के साथ मगन हो करता चिंतन।
सभी जीव को आसरा देने में है जो ढला।
उसे सिखाती है प्रकृति जीवन जीने की कला।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की अगस्त महीने की काव्य गोष्ठी संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती राधा बिनानी, एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती मंजू धूत जी रही।

सर्वप्रथम मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,माल्यार्पण एवं दीप

प्रज्ज्वलन..शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा किया गया.. सरस्वती वंदना सीमा सिंघी द्वारा प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सभी ने अपनी सुंदर–सुंदर प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रस्तुति देने वाली बहने ... मीना नागौरी जी, रंजना बिनानी, सीमा सिंघी, भगवती बिहानी रही।

कार्यक्रम संयोजक सरला जी बजाज द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया, शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन किया जाता है और सभी बहने अपनी प्रस्तुतियां द्वारा कार्यक्रम में चांद चांद लगाती आ रही है..आप सभी बहनों का बहुत–बहुत धन्यवाद।

अयोध्या से लखनऊ पहुंचा युवक दारुलशफा के बाहर टावर पर चढ़ा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के हजरतगंज क्षेत्र स्थित दारुलशफा के बाहर सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब करीब 30 साल का युवक टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही हजरतगंज पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को काफी देर तक समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक समझाने के बाद भी जब युवक नीचे नहीं उतरा तो फायर फाइटर्स उसे उतारने के लिए हाइड्रोलिक मशीन की मदद से उस तक पहुंचे। काफी देर तक बातचीत की लेकिन वह टावर से निकलने को तैयार नहीं था। उसका कहना था मुझसे मारपीट की गई और मुझ पर ही मुकदमा करा दिया गया। कहीं न्याय नहीं मिल रहा है। अब केवल मौत ही इसका चारा है। फायर फाइटर्स ने उसे कार्रवाई कराने का का भरोसा दिया तब वह टावर से निकलकर हाइड्रोलिक पर आया। तलाशी में उसके पास से करीब दो लीटर पेट्रोल भी मिला। टावर पर चढ़ने वाले युवक ने अपनी पहचान अयोध्या के बाबा बाजार थाने इलाके अंकुर सिंह के रूप में बताई। उसने आरोप लगाया कि 28 मई को उसके साथ मारपीट हुई थी। इसके बाद उसके खिलाफ अलग–अलग तारीखों में मुकदमे दर्ज किए गए। अंकुर के मुताबिक उसने पुलिस से शिकायत की, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। अंकुर ने आरोप लगाया कि उससे पांच हजार रुपए लेकर उसके खिलाफ मुकदमे लिखे गए। उसने मोबाइल फोन में अपनी शिकायत का पत्र भी पुलिस और मौके पर मौजूद लोगों को दिखाया। युवक का कहना था कि जब उसे जान से मारने की धमकी दी गई, तब उसकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया, लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। फायर फाइटर्स ने युवक को टावर हटाया तो उसके पास 2 बोतल में पेट्रोल भी मिला। वह सुसाइड करने टावर पर चढ़ा था। फायर फाइटर्स ने युवक को समझाया कि टावर पर चढ़ना उचित नहीं है। इन बातों की शिकायत के लिए दूसरे माध्यम हैं। युवक को सकुशल उतारने में फायरमैन संजय, फायरमैन चंद्रेश यादव और चालक झब्बूराम शामिल रहे। अंकुर सिंह अयोध्या के रामपुर जनक गांव का रहने वाला है। उसके पिता का नाम रामकरन सिंह है। उसने बताया कि उसका मामला अयोध्या के बाबा बाजार थाना क्षेत्र से जुड़ा है। अपनी शिकायत पर कार्रवाई की मांग को लेकर वह लखनऊ पहुंचा था।

छत पर सो रहे युवक की चाकू मारकर हत्या

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में रविवार–सोमवार देर रात 25 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना महिंगवां थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव की है। निर्माणाधीन मकान की छत पर सो रहे सतीश यादव पर कुछ लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल सतीश छत से नीचे खेत में जा गिरा। जानकारी के मुताबिक, सतीश रविवार रात करीब 8 बजे घर से खाना खाकर मकान पर सोने के लिए निकला था। रात करीब 2 बजे वह गांव के बाहर खेत के पास घायल और बेसुध हालत में मिला। गांव के एक युवक ने उसे देखा और परिजनों को सूचना दी।

सम्पादकीय.....

नेपाल की बाढ़ से सबक

नेपाल एक बार फिर बड़ी प्राकृतिक आपदा का शिकार हुआ है। यहां के रसुवा जिले और आसपास के नेपाल–चीन सीमावर्ती इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। अब तक सैकड़ों लोगों की मौत और हजारों के लापता होने की खबरें हैं, लेकिन हताहतों की संख्या साफ–साफ बता पाना कठिन है। हर गुजरते वक्त के साथ मौतों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका बनी हुई है। इस आपदा की चपेट में नेपाल का बड़ा हिस्सा आया है, लेकिन मरने और लापता होने वालों में कई विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, लापता लोगों में भारत, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड्स, अमेरिका, मलेशिया, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका के नागरिक शामिल हैं। भारत से बहुत से सैलानी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल पहुंचे हुए थे, जिनकी अब कोई खबर नहीं है। 26 अगस्त को आए इस प्रलय के जो वीडियो सामने आ रहे हैं, वो भयावह हैं। नदी का पानी विकरालता के साथ उमड़ता हुआ सबको लीलता हुआ आगे बढ़ रहा है। कहीं लोग जान बचाकर भाग रहे हैं, लेकिन फिर जलसमाधि लिए दिख रहे हैं, तो कहीं अपने घर की छतों पर खड़े होकर बचाव की गुहार लगा रहे हैं। चंद घंटों में ही सैकड़ों परिवार उजड़ चुके हैं। अपनी आंखों के सामने अपने परिजनों को बहते और डूबते देखने का दर्द आजीवन भुगतने के लिए सैकड़ों लोग अभिशप्त हो चुके हैं। इस आपदा के बाद वैश्विक समुदाय की तरफ से नेपाल के लिए सहायता का हाथ बढ़ाया जा चुका है, जो सर्वथा सराहनीय है। भारत ने भी राहत सामग्री भेजने का सिलसिला शुरु कर दिया है। ऐसी आपदाएं सीमाओं में जकड़ी राजनीति और कूटनीति को एक पल ठहरकर सोचने का अवकाश देती हैं कि प्रकृति मनुष्य की बनाई सीमाओं को न जानती है, न मानती है। उसका कहर जब टूटता है तो धन, धर्म, भाषा, लिंग और देशों की सीमाओं की परवाह नहीं करता, सब एक जैसे इसमें प्रभावित होते हैं। इसलिए दुनिया पर अपना वर्चस्व दिखाने के लिए अतिक्रमण या घुसपैठ करना जिन देशों की फितरत रही है, उन्हें अपनी रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। नेपाल की बाढ़ ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि क्या यह वाकई प्राकृतिक घटना है या इसके लिए मनुष्य की गलतियां भी जिम्मेदार हैं। क्योंकि इस बाढ़ ने जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के ज्वलंत सवालों को कुछ और सुलगा दिया है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर्स काफी तेजी से पिघल रहे हैं। इसकी वजह से पहाड़ काफी कमजोर हो रहे हैं, क्योंकि जो बर्फ होती थी, वो एक तरह से सीमेंट का काम करती थी, यानी पहाड़ों को थामे रखना, मगर बर्फ तेजी से पिघल रही है, तो पहाड़ों से चट्टान नीचे आ रही हैं, जिसके कारण भूस्खलन और नदियों में बाढ़ आ रही है। इस आपदा के बारे में शुरुआती जानकारी देते हुए नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा था कि भूस्खलन से तिब्बत–नेपाल सीमा पर भूकंप की खबर मिली थी। इससे संकेत मिला कि भूकंप की वजह से शायद ये आपदा आई। भारत का भी यही मानना है। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी द्वारा दर्ज आंकड़ों के मुताबिक, नेपाल–तिब्बत सीमा से सटे रसुवा क्षेत्र में सुबह 10 किलोमीटर की गहराई पर 4.9 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। एनआरएससी का अनुमान है कि तिब्बत के ऊंचे पहाड़ी इलाके में स्थित एक कटोरानुमा ग्लेशियर इसकी वजह से अस्थिर हो गया। हिमस्खलन के कारण विशालकाय बर्फ और मलबे का सैलाब तेजी से घाटी की ओर नीचे गिरा। इस मलबे ने अस्थायी रूप से नदी के प्रवाह को रोक दिया। कुछ ही समय में जब यह अस्थायी बांध टूटा तो प्रचंड वेग के साथ पानी, कीचड़, पत्थरों और मलबे की विशाल लहरें त्रिशूली नदी में बह निकलीं। इसके कारण नीचे बसे इलाकों में भीषण तबाही मच गई। लेकिन अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के विश्लेषण में कहा गया है कि वहां कोई भूकं प नहीं आया था। यूएसजीएस का कहना है कि शुरुआत में काठमांडू के उत्तर में नेपाल–चीन सीमा पर जिस 4.4 या 5.2 तीव्रता के भूकंप का अनुमान लगाया गया था वह वास्तव में धरती की भूगर्भीय प्लेटों की हलचल नहीं थी। बल्कि भारी मात्रा में बर्फ, चट्टानों और मलबे के तेजी से गिरने से उपजे कं पन को मशीन ने भूकंप समझ लिया था। तो फिलहाल यही सवाल सुलझाना है कि आपदा का मुख्य कारण क्या था। भारतीय विशेषज्ञों के अनुसार, इस तबाही का केंद्र भले ही भारतीय सीमा से लगभग 200 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित था, लेकिन यह घटना पूरे दक्षिण एशिया के लिए एक बड़ी चेतावनी है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि नदी के ऊपरी हिस्से में अभी भी मलबा जमा होने की बात कही जा रही है। अगर वहां फिर से पानी जमा होता है और मलबे टूटता है, तो दूसरी बाढ़ आ सकती है। इसी वजह से नेपाल और चीन की एजेंसियां लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं।

एक से सात सितंबर: महापोषण सप्ताह– कुपोषण के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी महासमर और स्वर्ण युग का शंखनाद

डॉ. संगीता बनाफर
प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ शैक्षिक प्रकोष्ठ, विश्व हिंदी परिषद
प्रदेश अध्यक्ष, इंटरनेशनल वीमेंस फोरम
प्रदेश संयोजक (PCWJ)
अध्यक्ष, इनरव्हील क्लब, बिलासपुर
हिन्दी सलाहकार, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया

श्वासों में भरकर प्रखर आलोक, हम नवल सृजन का गान करें,
कुपोषण के इस महातिमिर पर, आओ, नया प्रहार करें!
माटी के कण–कण में जब हो ओज और स्वाभिमान का वास,
तभी तो पूर्ण होगा इस भारत का स्वर्णिम और महान विश्वास!
घ्राष्ट्र के कर्णधारों, प्रबुद्ध जनों और मातृशक्ति, सुनिए! यह केवल सात दिनों का कालक्रम नहीं है, बल्कि यह भारत माता की गोद में पलने वाले हर शिशु की जीवनरेखा को गढ़ने का एक प्रखर महा–अनुष्ठान है। 1 से 7 सितंबर तक मनाया जाने वाला यह श्महापोषण सप्ताहश (राष्ट्रीय पोषण सप्ताह) अपनी संपूर्ण सार्थकता तभी सिद्ध करेगा जब यह आयोजन मात्र सरकारी रस्म–अदायगी या औपचारिकता न बनकर, जन–जन के संकल्प का ऐसा प्रलयंकारी ज्वालामुखी बन जाए जो कुपोषण की कुप्रथा को सदा के लिए जलाकर भस्म कर दे। भविष्य के उस सुदृढ़, समर्थ और आत्मनिर्भर भारत की नींव आज ही रखनी होगी, जहाँ हर बच्चे का मस्तक स्वाभिमान से ऊँचा हो, जहाँ हर युवा ऊर्जा का पर्याय बने, और जहाँ हर नारी का स्वास्थ्य राष्ट्र की अजेय शक्ति बने।

आइए, इन सात दिनों के हर क्षण को एक अटूट और प्रखर संकल्प में ढालें!

1 सितंबररू शुभारंभकृ स्वाभिमान का शंखनाद

आज, इस महासमर का प्रथम प्रहार! आँगनवाड़ियों, विद्यालयों और चौपालों से गूँज उठे यह स्वररू ष्हम होंगे कुपोषण मुक्त!ष

रक्तहीनता के हर अंधियारे को चीरकर आज हम जलावेंगे दीप,
स्वास्थ्य की इस पावन बेला में जागेगा जन–जन का विवेक प्रदीप्त!

आज के दिन हम अपने नन्हें प्रहरियों और मातृशक्ति के स्वास्थ्य की प्रथम जाँच–परख करेंगे, यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर घर स्वस्थ हो, हर आँख चमकती हो और देश का कोई भी बच्चा आवश्यक पोषक तत्त्वों से वंचित न रहे। यह हमारे सामूहिक उत्तरदायित्व का पहला और सबसे पवित्र चरण है।

2 सितंबररू जननीकृ जीवनदायिनी की सुरक्षा

मातृत्व कोई साधारण पड़ाव नहीं, यह सृजन की सबसे महान और कठिन तपस्या है! आज का दिन उस तपस्विनी, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माता को समर्पित है।

गर्भ से लेकर नवजात के प्रथम प्रहर तक बहे स्नेह की धार,
पोषण की हर बूँद से सींचें हम अपनी जननी का सुकुमार संसार!

उसे यह पूर्ण रूप से ज्ञात होना चाहिए कि उसका अपना स्वास्थ्य ही आने वाली भावी पीढ़ी की आधारशिला है। आज हम उसे आयरन, फोलिक एसिड और स्थानीय स्तर पर मिलने वाले पौष्टिक आहार का महत्त्व समझाएंगेकृक्योंकि एक सशक्त, स्वस्थ और ऊर्जावान माँ ही एक समर्थ राष्ट्र की सच्ची जननी होती है।

3 सितंबररू नवल शिशुकृ स्वर्णिम प्रथम सहस्राब्दी

आज उस कल के भविष्य और देश की अमूल्य थाती पर पूरी निष्ठा से ध्यान केंद्रित करें! जन्म से लेकर शुरुआती दो वर्ष (1000 दिन) यही वह स्वर्णिम और अत्यंत नाजुक कालखंड है जहाँ मानव जीवन की दिशा और दशा तय होती है।

जीवन के इन शुरुआती दिनों में ही गढ़ी जाती है भाग्य की रेखा,
कुपोषण की हर बाधा को मटियामेट कर दे ममता की सुकुमार रेखा!

उचित स्तनपान से लेकर सही और समय पर ऊपरी आहार की शुरुआत तक की यह यात्रा ही ठिगनेपन और दुबलेपन जैसे अभिशापों से शिशु को सुरक्षित बचाती है। आज के दिन हम हर अभिभावक को यह सुरक्षा कवच प्रदान करेंगे।

4 सितंबररू श्री अन्नकृमिट्टी का अभिमान!

आज वह ऐतिहासिक दिन है जब हम अपनी थाली से विदेशी और पश्चिमी चकाचौंध को पूरी तरह हटाकर अपनी पावन माटी का वास्तविक स्वाद और बल वापस लाएँगे!

फास्ट फूड की इस मायावी चकाचौंध से नाता तोड़ो,
अपने खेतों के बाजरा और ज्वार से अपना भाग्य जोड़ो!

ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो और कुटकीकृये मात्र साधारण अनाज नहीं हैं, यह हमारे वीर पूर्वजों का पौरुष, हमारी संस्कृति की थाती और हमारी धरती का जीवंत अमृत हैं। ष्फास्ट फूडष की खोखली और हानिकारक चमक के विरुद्ध आज ष्श्री अन्नष का यह विजय ध्वज देश के कोने–कोने में फहरे!

5 सितंबररू किशोरावस्थाकृ शक्ति का प्रांगण!

देखो, आज की इस अद्भुत यौवन ऊर्जा को! किशोर–किशोरियों के रक्त में दौड़ता वह अदम्य उत्साहकृकहीं कुपोषण और एनीमिया की गहरी कालिमा में खो न जाए?

रक्त की हर बूँद में हो जब ओज और तेज का वास,

तभी तो सबल बनेगा राष्ट्र का यह अजेय और महान इतिहास!

एनीमिया और कमजोरी के अंधकार को दूर करने के लिए आज विद्यालय, महाविद्यालय और युवा मंच बनेंगे इस महासमर के रणक्षेत्र। हम इन युवा शक्तियों को सही पोषण और स्वास्थ्य परामर्श का संबल देंगे, ताकि वे आने वाले कल के सबसे समर्थ और निडर प्रहरी बन सकें।

6 सितंबररू स्वच्छ परिवेशकृ पोषण का अनिवार्य साथी!

यह एक ऐसा अटल और अकाट्य सत्य है जिसे नकारा नहीं जा सकताकृस्वच्छता के बिना पोषण पूरी तरह निष्फल और व्यर्थ है!

शुद्ध जल और निर्मल परिवेश जब जीवन का अंग बन जाएँ,

तभी खाया–पिया अन्न और पोषण देह में अपनी शक्ति दिखाएँ!

दूषित पेयजल और गंदगी खाए–पिए का सारा पौष्टिक अंश सोख लेते हैं। आज के दिन हम यह रेखांकित करेंगे कि साफ़ जल, शुद्ध हवा और व्यक्तिगत स्वच्छता वे मुख्य द्वार हैं जहाँ से पोषण शरीर में प्रवेश करता है। हम ष्स्वच्छ भारतष और ष्स्वस्थ भारतष के बीच इस अटूट और गहरे संबंध को जन–जन तक पहुँचाएंगे।

7 सितंबररू जन–भागीदारीकृसप्तपदी का महा–अभियान!

यह सात दिवसीय महायज्ञ की कोई अंतिम पूर्णाहुति नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर और युगों तक चलने वाली सामाजिक क्रांति का एक नया आरंभ है!

जब समाज का हर प्राणी इस महायज्ञ में अपनी आहुति डालेगा,

तभी कुपोषण का हर दानव इस देश की धरती से सदा को भागेगा!

आज हम उन तमाम कर्मयोद्धाओं कृआँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, समर्पित स्वयंसेवकों, चिकित्सकों, शिक्षकों और समाजसेवियों कृको शत–शत नमन करेंगे जो इस कठिन अभियान की मशाल को थामे हुए हैं। यह उद्घोष होगा कि यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि हम सबका अपना परम व्यक्तिगत धर्म है।

इस सात दिवसीय महापोषण सप्ताह की वास्तविक सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब यह कागजी आयोजनों और भाषणों से निकलकर, हर घर की रसोई का शाश्वत सत्य बने और भविष्य के भारत के हर नौनिहाल के मस्तक पर विजय का तिलक अंकित करे!

साहित्य में `दुष्यंत' होने का अर्थ

–डॉ० अवनीश यादव
प्रांतीय शिक्षा सेवा
संवर्ग, उ०प्र०

'मत कहो आकाश में कोहरा घना है।
यह किसी की व्यक्तिगत आलोचना है'

दुष्यंत कुमार जी की जयंती पर एक संगोष्ठी का आयोजन था। अध्यक्षता एक नामचीन शायर कर रहे थे। श्रोताओं में से एक सज्जन ने इस शेर को निरर्थक बताते हुए चुनौती दी कि कोई इसका अर्थ समझा दे तो जानें।

आयोजकों ने विवाद टालकर कार्यक्रम आगे बढ़ा दिया। पर समापन पर अध्यक्षीय वक्तव्य में उसी एक शेर की लगभग पौन घंटे तक व्याख्या हुई। अध्यक्ष ने कहा – 'यह हिन्दी–उर्दू की साझा साहित्यिक विरासत के चंद बेहतरीन अशआर में से एक है। कोहरा सिर्फ मौसम नहीं, व्यवस्था का बुना हुआ वह झूठ है जो सच को ढँकता है, और जो उसे इंगित करे, सत्ता उसे व्यक्तिगत आलोचना मान लेती है।'

यही दुष्यंत होना है।

दुष्यंत कौन थे, यह प्रश्न नहीं, दुष्यंत होना क्या है, यह प्रश्न है।

दुष्यंत क्या थे, कहाँ के थे, कब जन्मे, क्या लिखा – ये चर्चाएँ उनके जीवनकाल से ही हैं और आज तक जारी हैं। जन्म 1 सितम्बर 1933 को उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद की नजीबाबाद तहसील के ग्राम राजपुर नवादा में। अल्पायु – मात्र 42 वर्ष। पर इस छोटे से रचना–काल में उन्होंने कविता के लिए वह किया जो दशकों में नहीं होता।

जिस दौर में उन्होंने लिखना शुरू किया, वह प्रगतिशील शायरी का दौर था। उर्दू में कैफी, ताज भोपाली और हिन्दी में अज्ञेय, मुक्तिबोध का दबदबा था। ऐसे में दुष्यंत ने आम आदमी की पीड़ा को साहित्य के केन्द्र में ला दिया। उन्होंने ग़ज़ल को दरबार से निकालकर चौराहे पर खड़ा कर दिया।

उन्होंने जब कहा –

'कहाँ तो तय था चराग़ाँ हर एक घर के लिये
कहाँ चराग़ मयस्सर नहीं शहर के लिये'कृतो यह केवल पीड़ा की अभिव्यक्ति नहीं थी, यह सत्ता से सीधा सवाल था। आलोचक 'शहर और शह्र' के व्याकरण में उलझे रहे, और दुष्यंत समस्या का निदान लिख गए –

'अब तो इस तालाब का पानी बदल दो
ये कमल के फूल मुरझाने लगे हैं'

इसलिए साहित्य में दुष्यंत होने का अर्थ भाषा की सीमा तोड़ना है।

आम तौर पर दुष्यंत ग़ज़लकार के रूप में जाने जाते हैं। कोई उन्हें हिन्दी ग़ज़ल का पुरोधा कहता है, कोई हिन्दी ग़ज़ल का आरंभ ही उनसे मानता है। पर सच यह है कि वे नाटककार, एकांकीकार, कवि, कथाकार और उपन्यासकार भी थे। ग़ज़ल उनके लिए कोई विधा नहीं, रणनीति थी।

उन्हें लगा कि आम आदमी के दैनंदिन संघर्ष, उसकी भूख, उसका गुस्सा, उसका प्रतिरोध – सबसे सहज, सरल और धारदार रूप में ग़ज़ल में कहा जा सकता है। उन्होंने कभी हिन्दी ग़ज़ल और उर्दू ग़ज़ल की लक्ष्मण रेखा नहीं खींची। उनका स्पष्ट मत था – जहाँ जिस शब्द में अधिक अर्थवत्ता और चोट हो, वहीं का शब्द उठा लो। क्योंकि आमजन से उसकी ही भाषा में जुड़ा जा सकता है। तभी वे कह सके –

'मैं जिसे ओढ़ता–बिछाता हूँ
वो ग़ज़ल आपको सुनाता हूँ'

साहित्य में दुष्यंत होने का अर्थ पद और प्रतिष्ठा से बड़ा सच चुनना है।दुष्यंत सरकारी सेवा में थे। पद था, प्रतिष्ठा थी। पर व्यवस्था के अंधेरे को देखकर उन्होंने समझौता नहीं किया –

'मैं इतने स्याह अंधेरों को सुबह कैसे कहूँ
मैं इन अंधेरों का अंधा तमाशबीन नहीं'

स्वाभाविक था, इस तेवर की कीमत भी चुकानी पड़ी। निदा फ़ाज़ली ने ठीक लिखा है – 'दुष्यंत की नज़र उनके युग की नई पीढ़ी के गुस्से और नाराज़गी से उपजी– बनी है। यह गुस्सा राजनीति के स्याह पक्ष के खिलाफ़ नए तेवरों की आवाज़ थी।'

वह ट्रेंड–सेटर थे। संसद से सड़क तक, उनकी पंक्तियाँ –

'हो गई है पीर पर्वत–सी पिघलनी चाहिए
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए'

हर आंदोलन, हर प्रतिरोध की भूमिका बन गईं।

आज जब साहित्य मठाधीशों, पुरस्कार–जीवियों, चाटुकारों, चुटकुलेबाज़ों और नक्कालों के शिकंजे में फँसता जा रहा हो, तब दुष्यंत होना और भी जरूरी हो जाता है।

दुष्यंत होना यानी सुविधाजनक चुप्पी के विरुद्ध बोलना।

दुष्यंत होना यानी साहित्य को केवल कला नहीं, हस्तक्षेप मानना।

दुष्यंत होना यानी यह कहने का साहस –

'यहाँ तो सिर्फ़ गूँगे और बहरे लोग बसते हैं
खुदा जाने यहाँ पर किस तरह जलसा हुआ होगा'

चिंता का सबब उत्तराखण्ड की झीलें

नेपाल में तिब्बत से आई बाढ़ से मची तबाही के बाद उत्तराखण्ड में झीलें और ग्लैशियर चिंता का सबब बन गये हैं। केदारनाथ में आयी बाढ़ से तबाही को अब तक लोग भूले नहीं हैं। अब भूवैज्ञानिक उत्तराखण्ड की 1200 ग्लैशियर झीलों में 13 को अति संवेदनशील बता रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने राज्य प्राधिकरण को सचेत भी किया है। राज्य के चमोली में वसुंधरा व तीन अन्य ग्लैशियर झीलें हैं। इसी प्रकार उत्तरकाशी का केदार ताल, बागेश्वर का लाग कुंड, पिथौरागढ़ की माबांग, पियूगू व चार अन्य झीलें कभी भी तबाही ला सकती हैं। टिहरी का मसूरी ताल और नैनीताल की नैनो झील भी बारिश में उफनाती हैं।

हिमालय में मौजूद ग्लेशियर झीलों को लेकर वैज्ञानिकों ने अपनी चिंता जतानी शुरू कर दी है। वैज्ञानिकों की यह चिंता उत्तराखंड के हिमालय क्षेत्र के लिए अधिक संवेदनशील है। क्योंकि केदारनाथ त्रासदी, धराली आपदा, रैणी आपदा, तमक नाले का सैलाब जैसे कई भीषण आपदाएं उत्तराखंड बीते कुछ सालों में झेल चुका है। उत्तराखंड के हिमालय क्षेत्र में सैकड़ों ग्लेशियर झीलें हैं, जिनकी निगरानी पर चर्चाएं तेज हो गई है। उत्तराखंड में मौजूद हजारों ग्लेशियर झीलों में से करीब 426 ग्लेशियर झील ऐसे हैं, इनका आकार 1000 वर्ग मीटर से अधिक है। मौजूदा समय में उत्तराखंड में ग्लेशियरों झीलों की संख्या 1290 है। इसके साथ ही ग्लेशियर झीलों का दायरा भी 8।1 फीसद तक बढ़ गया है। वैसे साल 2015 में जब वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी ने स्टडी की थी तो उस दौरान हिमालय क्षेत्र में 1266 ग्लेशयर पाए गए थे।

साल 2024 में एनडीएमए ने ग्लेशियर झीलों की स्टडी के बाद एक रिपोर्ट बनाई थी, इसके अनुसार, उत्तराखंड में मौजूद 1200 ग्लेशियर झीलों में से 13 ग्लेशियर झीलों को अति संवेदनशील और संवेदनशील श्रेणी में रखा था। एनडीएमए ने झीलों को संवेदनशीलता के आधार पर तीन कैटेगरी में रखा था। अति संवेदनशील 5 ग्लेशियर झीलों को ए कैटेगरी में, कम संवेदनशील वाले चार झीलों को बी कैटेगरी में और कम संवेदनशील 4 झीलों को सी कैटेगरी में रखा गया था। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग ने अति संवेदनशील श्रेणी में रखे गए पांच ग्लेशियर झीलों के निगरानी का निर्णय लिया था। इसके लिए उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश में मौजूद अतिसंवेदनशील और संवेदनशील ग्लेशियर झीलों की निगरानी के लिए वाडिया इंस्टीट्यूट को नोडल विभाग बनाया गया। ताकि इन सभी ग्लेशियर झीलों का बेहतर ढंग से अध्ययन कराए जाने के साथ ही लगातार मॉनिटरिंग के लिए इक्विपमेंट लगाए जा सके।

नेपाल में हिमालय से आए सैलाब ने कितनी भारी तबाही मचाई है कि इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। शायद यह इस सदी की सबसे भयानक त्रासदी है। हिमालय से निकली सुनामी ने मैदान क्षेत्र में सब कुछ तिनके की तरह उखाड़ दिया और इसकी वजह वैज्ञानिक पिछले लंबे समय से ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन को बता रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं। उसका दायरा कम हो रहा है। ऐसे में ग्लेशियर के मुहाने पर ऐसी झीलें बन रही हैं, जो बेहद खतरनाक है। राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने 2024 में उत्तराखंड राज्य आपदा प्राधिकरण को 13 ऐसी अतिसंवेदनशील और संवेदनशील ग्लेशियर झीलों के बारे में बताया था, जो आज भी खतरा बनी हुई है। लेकिन इन 13 ग्लेशियर झीलों में 5 सबसे ज्यादा खतरनाक है। जिनका आकार काफी बढ़ गया है।

साल 2024 से 2026 के बीच चार ग्लेशियर झीलों का अध्ययन कराया गया। जिसमें चमोली जिले में स्थित वसुंधरा ताल का बाथीमेट्री ग्लेशियोलॉजिकल अध्ययन, पिथौरागढ़ जिले में स्थित माबांग झील का ग्लेशियोलॉजिकल अध्ययन, पिथौरागढ़ जिले में स्थित स्यूंतियांक्ति झील का बाथीमेट्री ग्लेशियोलॉजिकल अध्ययन, पिथौरागढ़ जिले में स्थित प्युंगरु झील का बाथीमेट्री ग्लेशियोलॉजिकल अध्ययन कराया जा चुका है।

इन सभी जिलों की लगातार मॉनिटरिंग के लिए इक्विपमेंट्स लगाए जाने हैं, जिसकी जिम्मेदारी वाडिया इंस्टीट्यूट को सौंपी गई है। लेकिन अभी तक इन जिलों में इक्विपमेंट्स नहीं लगाए जा सके हैं। ऐसे खतरों को समय रहते टालने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने साल 2024 में एक विशेष अभियान शुरू किया था। जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक अध्ययन, जोखिम आंकलन, न्यूनीकरण उपाय के साथ ही प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित कर संभावित आपदा के प्रभाव को कम किया जा सके। यही नहीं, इस परियोजना के तहत उत्तराखंड राज्य के लिए 30 करोड़ रुपए की परियोजना स्वीकृत की गई। जिसमें केंद्र का अंश 90 फीसदी और राज्य का अंश 10 फीसदी है। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार 27 करोड रुपए देगी और उत्तराखंड सरकार को 3 करोड़ रुपए खुद से वहन करने होंगे। पहले किस्त रूप में भारत सरकार की ओर से 8।10 धनराशि भी प्राप्त हो गई है। बावजूद इसके अभी तक ग्लेशियर झीलों की निगरानी के लिए इक्विपमेंट्स लगाने की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है।

उत्तराखंड की चिह्नित 13 में से 5 झीलें ए कैटेगरी में हैं, जो सबसे ज्यादा खतरे की जद में हैं। इनमें से चार झीलें पिथौरागढ़ जिले तो एक चमोली जिले में है। ठ कैटेगरी वाली 4 झीलों में से 1 चमोली में, 1 टिहरी में और 2 झीलें पिथौरागढ़ में मौजूद हैं। इसके बाद की सी कैटेगरी की 4 झीलें उत्तरकाशी, चमोली और टिहरी में मौजूद हैं। अगर पूरे उत्तराखंड में ग्लेशियर झीलें के आंकड़ों को देखें टोंस बेसिन में 52 ग्लेशियर झीलें, यमुना बेसिन में 13 ग्लेशियर झीलें, भागीरथी बेसिन में 306 ग्लेशियर झीलें, भीलंगना बेसिन में 22 ग्लेशियर झीलें, मंदाकिनी बेसिन में 19 ग्लेशियर झीलें, अलकनंदा बेसिन में 635 ग्लेशियर झीलें, पिंडारी बेसिन में 7 ग्लेशियर झीलें, गोरी गंगा बेसिन में 92 ग्लेशियर झीलें, धौली गंगा बेसिन में 75 ग्लेशियर झीलें, कुटियांगति बेसिन में 45 ग्लेशियर झीलें रिकॉर्ड की गई हैं।

रोना चाहते हैं तो रो लेना चाहिए फिल्म दायरा के ट्रेलर लॉन्च पर करीना कपूर ने पुरुषों को दी सलाह

> विजय से हटकर रश्मिका की मेहंदी ड्रेस की बात करें तो उनके दुपट्टे में मां लक्ष्मी का चित्र बना है। भारतीय परिवारों में नई दुल्हन को मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। मां लक्ष्मी का आशीर्वाद रश्मिका को मिले, इसलिए डिजाइनर ने सुंदर चित्र उनके दुपट्टे पर बनाया है।

करीना कपूर की आगामी फिल्म दायरा है। इसमें वे पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगी। आज इसका ट्रेलर जारी हुआ है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में करीना कपूर ने पुरुषों को एक सलाह दी है। उनका कहना है कि पुरुषों और लड़कों को अपनी भावनाओं को जाहिर करना आना चाहिए। करीना कपूर खान का मानना है कि पुरुषों को अपनी भावनाओं के बारे में खुलकर बात करनी चाहिए और अपने संवेदनशील पक्ष को लेकर सहज रहना चाहिए। उनका कहना है कि संवेदनशील होना सिर्फ महिलाओं तक ही सीमित नहीं है। फिल्म दायरा के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर करीना ने कहा कि भले ही अक्सर महिलाओं को ज्यादा संवेदनशील माना जाता है, लेकिन पुरुषों और लड़कों को भी अपनी भावनाएं जाहिर करने और जिंदगी की चुनौतियों का खुलकर सामना करने में सहज महसूस करना चाहिए। एएनआई के मुताबिक, अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वे अपने बेटों तैमूर और जेह को भी अपने इमोशंस को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। उनका कहना है कि जब भी उन्हें जरूरत महसूस हो, तो उनके लिए रोना पूरी तरह से ठीक है। करीना ने कहा, श्आखिरकार, मैं दो बेटों की मां हूं और जाहिर है कि मैं डरी हुई भी रहती हूं, क्योंकि एक मां के तौर पर आप अपना बेस्ट करना चाहती हैं। आप उन्हें सुरक्षित रखना चाहती हैं और उन्हें यह भी दिखाना चाहती हैं कि वे जिम्मेदार बनें। इसलिए मैं बस उनके लिए दयालु बनने की दुआ करती रहती हूं। पुरुषों को ज्यादा दयालु होना चाहिए। करीना ने आगे कहा, यह सोच हमेशा रहती है कि लड़कियां हमेशा बहुत सेंसिटिव होती हैं, लेकिन यह सच नहीं है। मुझे लगता है कि आज ऐसे लड़के और पुरुष हैं जिन्हें सेंसिटिव होने, किसी लड़की के सामने रोने या अपनी मां के सामने रोने से कोई डर नहीं है। मैं हमेशा अपने बेटों से कहती हूं, अगर वे रोना चाहते हैं, तो उन्हें रोना चाहिए। यह ऐसा है, जो तुम महसूस करोगे, क्योंकि उसे यह महसूस करना है और उसे जानना है। करीना ने कहा कि बच्चों को अपनी भावनाओं को महसूस करने और उन्हें जाहिर करने देना उनकी ग्रोथ के लिए जरूरी है, साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लड़कों और पुरुषों में ज्यादा करुणा होनी चाहिए। फिल्म दायरा मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी फिल्म है, जिसमें करीना के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन लीड रोल में हैं। 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

श्रद्धा कपूर संग स्क्रीन शेयर करेंगी अक्षरा सिंह, बोलीं– 'मेरे लिए बहुत बड़ी बात है'

भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह ने इस बार अपना जन्मदिन कुछ अलग और खास अंदाज में मनाया। उन्होंने दानापुर स्थित नारी गुंजन बिहार महादलित विकास मिशन स्पेशल स्कूल और हॉस्टल में महादलित बच्चियों के साथ अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। बच्चों के साथ केक काटने से लेकर गाने और संगीत का आनंद लेने तक, अक्षरा ने उनके साथ कई खुशनुमा पल बिताए। इस दौरान उन्होंने इंदिरा आईवीएफ का दौरा भी किया और कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। अक्षरा सिंह ने अपने जन्मदिन पर बच्चों के साथ समय बिताने को अपने लिए बेहद खास बताया। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह इंदिरा आईवीएफ के 11 साल पूरे होने के मौके पर वहां पहुंची थीं और उन्हें खुशी है कि इस खास अवसर पर, खासकर अपने जन्मदिन के दिन, उन्हें वहां बुलाया गया। अक्षरा ने बताया कि बच्चों के साथ वक्त बिताना उनके लिए सिर्फ जन्मदिन मनाने का एक तरीका नहीं था। उन्होंने उनके साथ गाना गाया, संगीत सुना और खूब मस्ती की। उनके मुताबिक, इन बच्चों के बीच बिताया समय उनके लिए काफी भावुक और यादगार रहा। महादलित बच्चियों के साथ अपना जन्मदिन मनाने के अनुभव को याद करते हुए अक्षरा ने कहा कि वह उन बच्चों के साथ अपनी जिंदगी का एक हिस्सा जीने गई थीं। उन्होंने कहा कि इससे बड़ी खुशी उनके लिए शायद कुछ और नहीं हो सकती। अक्षरा के मुताबिक, हम अपनी जिंदगी में लगातार किसी न किसी परेशानी से जूझते रहते हैं, लेकिन इन बच्चों ने कम सुविधाओं के बावजूद खुश रहना और छोटी–छोटी खुशियों को जीना सीखा है। उनके साथ समय बिताकर उन्हें भी बहुत कुछ महसूस करने और सीखने का मौका मिला। इंदिरा आईवीएफ के मौके पर अक्षरा सिंह ने आईवीएफ को लेकर भी अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा कि जो लोग लंबे समय से माता–पिता बनने का सपना देख रहे हैं और किसी वजह से निराश हैं, उनके लिए आईवीएफ उम्मीद की एक किरण हो सकता है। उन्होंने लोगों से विज्ञान और इससे जुड़ी तकनीकों को समझने की अपील करते हुए कहा कि आज दुनिया भर में आईवीएफ के जरिए कई लोगों के माता–पिता बनने के सपने पूरे हुए हैं। अक्षरा ने इसे उन महिलाओं और पुरुषों के लिए एक विकल्प बताया, जो लंबे समय से इस उम्मीद में हैं कि उनका परिवार पूरा हो सके। अक्षरा सिंह जल्द ही फिल्म 'ईठा' में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट को लेकर वह काफी उत्साहित हैं। श्रद्धा के साथ काम करने के अनुभव को लेकर अक्षरा ने कहा कि वह इस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हैं। उन्होंने निर्देशक लक्ष्मण उतेकर के साथ काम करने को भी अपने लिए बड़ी उपलब्धि बताया। अक्षरा ने श्रद्धा कपूर की तारीफ करते हुए कहा कि वह बेहद प्यारी हैं और एक अच्छी इंसान भी हैं। उन्हें श्रद्धा से काफी स्नेह मिला और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना उनके लिए बहुत बड़ी बात है। अक्षरा ने इस फिल्म को अपने करियर के लिए एक खास मौका बताया। भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के बाद हिंदी सिनेमा के इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना उनके लिए एक नया अनुभव है। बिहार में फिल्म सिटी बनाए जाने के ऐलान पर भी अक्षरा सिंह ने खुशी जताई। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह बिहार के कलाकारों के लिए बहुत बड़ी बात है। अक्षरा ने कहा कि लंबे समय से यह इच्छा रही है कि बिहार में भी कलाकारों को अपने राज्य में शूटिंग करने और काम करने के बेहतर मौके मिलें। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में कई बार शूटिंग हुई है, लेकिन बिहार में इस तरह की सुविधाओं की कमी महसूस होती थी। अब फिल्म सिटी के ऐलान से उन्हें उम्मीद है कि यह कमी भी पूरी होगी और स्थानीय कलाकारों को अपने ही राज्य में ज्यादा अवसर मिलेंगे। अक्षरा ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द एक हीरो के साथ उनकी नई फिल्म आने वाली है, हालांकि उन्होंने अभी प्रोजेक्ट से जुड़ी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की। अपने फैंस के लिए अक्षरा ने कहा कि वह खुद को बिहार की बेटी मानती हैं और यहां के लोगों से उन्हें हमेशा प्यार मिला है। उन्होंने कहा कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, उसमें बिहार के लोगों के प्यार और समर्थन का बड़ा योगदान है। अक्षरा ने अपने प्रशंसकों से इसी तरह अपना प्यार और आशीर्वाद बनाए रखने की अपील की, ताकि वह आगे भी लगातार काम करती रहें और अपने सफर में और आगे बढ़ सकें।

डीप फेक की शिकार हुईं 'अर्जुन रेड्डी' फेम एक्ट्रेस, सोशल मीडिया पर फूटा शालिनी पांडे का गुस्सा

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने फेक आई वीडियो मामले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह सब काफी परेशान करने वाला मामला है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस से खास अपील की है। हाल ही में शालिनी पांडे का एक एआई जनरेटेड वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। उस मामले में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा,'मैं अपने उस फर्जी, कृत्रिम रूप से बनाए गए वीडियो के बारे में बात करना चाहती हूं जो इस समय ऑनलाइन प्रसारित हो रहा है। यह वीडियो पूरी तरह से मनगढ़ंत है और इसमें मैं नहीं हूं। मैं इस तरह के दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा करती हूं और मेरा मानना है कि टेक्नोलॉजी के ऐसे दुरुपयोग को कभी भी सामान्य नहीं माना जाना चाहिए। आगे अपनी पोस्ट में शालिनी पांडे ने कहा, 'यदि आपको यह वीडियो कहीं भी दिखाई दे, तो कृपया इसे साझा न करें, आगे न भेजें, डाउनलोड न करें या इस पर कोई प्रतिक्रिया न दें। इसके बजाय, कृपया इसकी तुरंत रिपोर्ट करें। मैं सभी से जिम्मेदारी और सावधानी बरतने का अनुरोध करता हूं, और इसके प्रसार को रोकने में मदद करने का आग्रह करता हूं, न कि इसे और अधिक लोगों तक पहुंचाने का। धन्यवाद।' एक्ट्रेस शालिनी पांडे हाल ही में धनुष की फिल्म 'इडली कढ़ाई' में नजर आई थीं। एक्ट्रेस ने तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत की थी। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

दोस्तों के साथ पिज्जा पार्टी एंजाय करती दिखीं जान्हवी कपूर, तस्वीरों पर वीर पहाड़िया ने दिया रिएक्शन

जान्हवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज सोमवार को एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने तस्वीरों की एक सीरीज है। जान्हवी बेहद स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वे अपने मेकअप प्रोडक्ट्स फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। जान्हवी ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, गर्मियों को गुडबाय। आप बहुत अच्छी थीं। साथ में रेड हार्ट इमोजी बनाया है। जान्हवी कपूर के साथ उनकी कुछ सहेलिया हैं। कुछ फोटोज में एक्ट्रेस स्टनिंग लुक में पोज देती दिख रही हैं। कुछ में यात्राएं करती नजर आ रही हैं। वहीं, एक तस्वीर में पिज्जा पार्टी करती नजर आ रही हैं। जान्हवी कपूर की इन तस्वीरों पर उनके फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स पॉजिटिव रिएक्शन दे रहे हैं। उनके लुक और खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। वहीं, दिल्ली समेत कुछ इलाकों के लोग कमेंट कर लिख रहे हैं कि उनके यहां अभी खूब गर्मियां हैं। जान्हवी कपूर के बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के भाई और एक्टर वीर पहाड़िया ने भी कमेंट किया है। बता दें कि वीर पहाड़िया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका नाम प्रेम कींटाणु है। यह फिल्म इस साल 02 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जान्हवी कपूर दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और प्रोड्यूसर बोनी कपूर के बेटी हैं। जान्हवी के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते दिनों उन्हें फिल्म पेद्दी में देखा गया था।

टॉक्सिक रिश्ते को देना चाहते हैं एक आखिरी मौका? इन टिप्स की मदद से शायद बात बन जाए

टॉक्सिक रिश्ते में रहना आसान नहीं होता है। ऐसे रिश्ते एक व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत बुरी तरह प्रभावित करते हैं। समय के साथ धीरे–धीरे वो व्यक्ति अंदर से खोखला होता जाता है और फिर एक दिन उसे खुद से नफरत हो जाती है। इतनी नफरत जिसका शायद ही कोई अंदाजा लगा सकता है। हालाँकि, नकारात्मक प्रभावों और मानसिक रूप से प्रभावित होने के बावजूद बहुत से लोग अपने टॉक्सिक रिश्ते को बचाना चाहते हैं। इसके लिए वह हर मुमकिन प्रयास भी करते हैं, जो ज्यादातर मामलों में असफल हो जाते हैं। बहुत ही कम मामलों में टॉक्सिक रिश्ते एक स्वस्थ रिश्ता बन पाते हैं। ऐसा नहीं है कि टॉक्सिक रिश्तों को सुधारा नहीं जा सकता है। बस ऐसा करने का रास्ता थोड़ा मुश्किल और परेशानी भरा होता है। ऐसे में अगर आप भी एक आखिरी बार अपने टॉक्सिक रिश्ते को मौका देना चाहते हैं और इसे सुधारने की कोशिश करना चाहते हैं तो हमारे बताए हुए टिप्स आपके काम आएंगे।

व्यवहार में बदलाव जरुरी– जैसे आप है, वैसा रहकर टॉक्सिक रिश्ते में सुधार नहीं हो सकता है। इसलिए सबसे पहले अपना व्यवहार बदलें और नए सिरे से चीजों को ठीक करने की कोशिश करें। पहले जैसे रहकर फिर से वहीं लड़ाई–झगड़े होंगे तो बेहतर है अपने लड़ाई का कारण बनने वाले व्यवहार को बदलें। टॉक्सिक रिश्ते को सुधारने के लिए समय देने और प्रयास करने की आवश्यकता होती है। इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लें।

परेशानी को समझने की कोशिश करें– जिस परेशानी को आप समझ नहीं पा रहे हैं, उसे ठीक करने के बारे में सोचना बेवकूफी का काम है। इसलिए सबसे पहले समय निकालकर पार्टनर के साथ रिश्ते में परेशानी का कारण बन रहे मुद्दों पर चर्चा करें। परेशानी की वजह पता चलेगी तो उसे सुधारने का प्रयास सफल भी होगा।

ब्रेक लें और खुद पर ध्यान दें– कई बार चीजें हाथ से सिर्फ इसलिए निकल जाती है क्योंकि हम उनको लेकर ज्यादा ही परेशान हो जाते हैं। ऐसे में बेहतर यही है कि खुद को थोड़ा समय दिया जाए। रिलेशनशिप से ब्रेक लें और खुद पर ध्यान दें। रिश्ते में आ रही परेशानियों पर खुद से सवाल करें और खुद से इन्हें समझने की कोशिश करें। फिर इनका हल निकालने पर फोकस करें। कई बार पीछे हटकर देखने से चीजें ज्यादा साफ दिखाई देती है।

घर को सजाने का है शौक तो ऐसे करें पुरानी मैगजीन का इस्तेमाल, जानिए कैसे करें रियूज

हम सभी के घरों में कई ऐसे सामान होते हैं, जिनका इस्तेमाल काफी कम होता है। कई बार सामान को बेकार समझ कर हम कबाड़ में दे देते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि इन सामानों को आप रियूज भी कर सकती हैं। आज के समय में हर घर में मैगजीन आती है। ऐसे में अगर आप पुरानी मैगजीन को फेंक देती हैं, तो इसका अगली बार से इसका इस्तेमाल आप घर के डेकोर आइटम को बनाने में भी कर सकती हैं। इससे आप अपने पंसद की चीजों को बनाकर अपने घर को सजा सकती हैं।

वॉल डेकोर आइटम करें

अगर आप भी अपने घर की दीवारों को अलग तरीके से डेकोरेट करना चाहती हैं, तो मैगजीन से आप वॉल डेकोर आइटम बना सकती हैं। इससे आप वॉल हैंगिंग बना सकती हैं या फिर वॉल को डेकोरेट करने के लिए अलग–अलग डिजाइन बना सकती हैं। इसके लिए आपको पुराने मैगजीन, पेंट, ग्लू और छोटे–बड़े मिरर चाहिए।

ऐसे बनाएं वॉल डेकोर

सबसे पहले कई सारी मैगजीन इकठ्ठा कर लें। अब इसके पेपर को फोल्डर से अलग कर लें। इसके बाद इन्हें लंबा–लंबा रोल करें। फिर इसको स्क्वेयर के शेप में फोल्ड करें। अब ग्लू की मदद से इनको पेस्ट कर पूरा स्क्वायर बंच बनाकर तैयार कर लें। इसमें बड़ा और फिर सारे थोड़े छोटे–छोटे बनाएं। इसके बाद इसको पेंट कर इसमें ग्लू की मदद से मिरर लगाएं। आप चाहें तो डोरी से इन्हें एक साथ जोड़ सकती हैं। इसके अलावा इसमें मोती भी डाल सकती हैं। अब गांठ बांधें और इस तरह से आपका वॉल डेकोर बनकर तैयार हो जाएगा।

फोटो फ्रेम बनाएं

अगर आपको भी अपने घर को फोटो से सजाने का शौक है तो घर पर रखी पुरानी मैगजीन का इस्तेमाल कर फोटो फ्रेम बना सकती हैं। इसको बनाने में आपको कम पैसा खर्च करना पड़ेगा और आप अपनी पसंदीदा फ्रेम रेडी कर पाएंगी। अगर आपको घर पर फोटो लगाने का शौक है तो इसके लिए आप घर पर ही रखी पुरानी मैगजीन का इस्तेमाल करके फोटो फ्रेम तैयार कर सकती हैं। इसे बनाने में आपको पैसा भी कम खर्च करना पड़ेगा। इसी के साथ आप अपनी पसंद का फ्रेम रेडी कर पाएंगी।

ऐसे बनाएं फोटो फ्रेम

सबसे पहले लकड़ी का फ्रेम ले लें।

फिर मैगजीन के पेपर के छोट–छोटे टुकड़े कर लें।

अब एक कटोरी में ग्लू और थोड़ा सा पानी मिक्स कर लें।

इसके बाद मैगजीन के पेपर पर ग्लू लगाकर फ्रेम के कवर को सेट करें और कुछ देर के लिए सूखने के लिए छोड़ दें।

अब इसे अपने पसंदीदा कलर से पेंट करें।

आप चाहें तो इसे मिरर से सजा सकती हैं। वरना ग्लू थ्रेड कर इस पर सेट कर दें। इस आसान तरीके से आपका फोटो फ्रेम तैयार हो जाएगा।

जल्द से जल्द होना चाहती हैं स्लिम–ट्रिम, तो इन टिप्स की मदद से करें कैलोरी इनटेक

आज के समय में मोटापा काफी गंभीर समस्या बन चुका है। हर दूसरा व्यक्ति इस अपने बढ़े हुए वेट को लेकर परेशान है। लोग वजन कम करने के लिए तरह–तरह के उपाय करते हैं। हालांकि डाइट फॉलो करने और जिन में घंटों पसीना बहाने के बाद भी वेट कम नहीं होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वेट लॉस के लिए कैलोरी इनटेक पर ध्यान देना काफी ज्यादा जरूरी है। पूरे दिन में हम जितनी कैलोरी लेते हैं, उससे ज्यादा कैलोरी बर्न करने से वजन कम होता है। कैलोरी इनटेक कम होने पर बॉडी फैट को एनर्जी में बदलने में उपयोग करता है। कैलोरी इनटेक से शरीर का वजन कम होता है। कई लोग कैलोरी इनटेक करने के लिए कम खाना शुरू कर देते हैं, या फिर अपना मील स्किप कर देते हैं। लेकिन बहुत कम कैलोरी लेने से आपको कमजोरी का एहसास भी हो सकता है। इससे आपका मेटाबॉलिज्म भी स्लो हो सकता है और वेट बढ़ने लगता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ऐसे में वेट लॉस के लिए कैलोरी इनटेक कैसे करें।

डाइट में बढ़ाएं प्रोटीन की मात्रा

अगर आप भी कैलोरी इनटेक को कम करना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ानी चाहिए। क्योंकि प्रोटीन खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप ज्यादा खाने से बच जाते हैं। प्रोटीन भी मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाने का काम करता है। इससे एक्स्ट्रा कैलोरी और फैट को बर्न करने में सहायता मिलती है।

पानी पिएं

बता दें कि कैलोरी को इनटेक करने का सबसे आसान तरीका पानी पीना होता है। शरीर में पानी की कमी होने पर व्यक्ति को बार–बार भूख लगती है। कई बार भूख लगने पर हम ज्यादा खाना खा लेते हैं। इसलिए आपको पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। खासतौर पर खाना खाने से 30 मिनट पहले एक या दो गिलास पानी जरूर पिएं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से आपका पेट भरा रहता है और आप ओवरईटिंग से भी बच जाएंगे।

खाना छोटी प्लेट में खाएं

आपको यह पढ़कर भले ही हैरान हों, लेकिन छोटी प्लेट में खाना खाकर भी आप कैलोरी इनटेक कर सकते हैं। क्योंकि जब हम बड़ी प्लेट में खाना खाते हैं, तो खाने का पोर्शन साइज बढ़ जाता है। ऐसे में जब आप छोटी प्लेट में खाना खाते हैं, तो इसमें खाना भी कम परोसेंगे। इससे कैलोरी इनटेक भी कम होगा।

कार्ब्स और शुगर का सेवन

कैलोरी की मात्रा कार्ब्स और शुगरी आइटम्स में काफी ज्यादा होती है। कोल्ड ड्रिंक, कुकीज, जंक, प्रोसेस्ड फूड और मिठाई का सेवन करने से कैलोरी काउंट बढ़ जाता है। इससे आपको डायबिटीज, मोटापे और दिल की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए बेहतर है कि आप इन चीजों से पूरी तरह दूरी बनाकर चलें। या फिर इनका सेवन कम से कम करें।

डाइट में बढ़ाएं सब्जी की मात्रा

अगर आप भी कम से कम मात्रा में कैलोरी इनटेक करना चाहते हैं, तो डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ानी चाहिए। फाइबर की मात्रा के लिए आपको सब्जी का सेवन ज्यादा करना चाहिए। फाइबर की ज्यादा मात्रा से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे आपका पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। वजन घटाने के लिए आपका डाइजेशन भी सही होना चाहिए। इसके लिए आपको अपनी डाइट में सलाद और सब्जियों की मात्रा भी बढ़ानी चाहिए।

जापानी लोगों की लंबी उम्र का राज है ये चीजें, हेल्दी रहने के लिए करें डाइट में शामिल

जापान में ओकिनावा नाम का आइसलैंड सुंदर तो है ही लेकिन यहां पर रहने वाले लोग भी एकदम स्वस्थ हैं। इन लोगों की उम्र 100 साल से भी ज्यादा है इतनी लंबी उम्र जीने का राज कुछ और नहीं बल्कि ओकिनावा के लोगों का हैल्दी खान–पान है। यहां के लोग हमेशा प्लांट बेस्ड डाइट लेते हैं जिसमें पोषक तत्वों से भरपूर सब्जियां और पत्ते शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, लंबी जिंदगी जीने के लिए रोजाना खाई जाने वाली साग–सब्जियां बेहतरीन काम करती हैं। तो चलिए आज आपको इन लोगों की कुछ ऐसी डाइट बताते हैं जिसका सेवन करके आप भी एकदम स्वस्थ रहेंगे।

बैंगनी शकरकंद

रिपोर्ट्स की मानें तो 1950 में जब जापान 50: चावल पर ही निर्भर था तब ओकिनावा के लोग अपनी डेली कैलोरी के लिए 67: पतले बैंगनी शकरकंद खाकर लेते थे। यह हैल्दी कॉम्प्लेक्स व कार्बोहाइड्रेट, फाइबर से भरपूर होते हैं।

मगवोर्ट

इस पौधे की पत्तियां कड़वी होती हैं लेकिन यहां के लोग इन पत्तों के पोर्क के साथ खाते हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो यह पाचन में सहायता करते हैं।

समुद्री शैवाल

यह आयोडीन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। ओकिनावा में रहने वाले लोग गर्म दिनों में ठंडक पाने के लिए इसे अपनी डाइट में जरुर शामिल करते हैं। ज्यादा प्रोटीन से भरपूर समुद्री शैवाल स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है।

स्किवंड इंक सूप

इस सूप में एंजाइम और अमीनो एसिड मौजूद होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह बीपी सुधारने और बॉडी को डिटॉक्स करने में भी मदद करता है।

हरे शहतूत के पत्ते

यह पत्तियां गले की खराश दूर करने में मदद करती हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व सूजन हटाने, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल करने में भी मदद करते हैं।

गोया

यह एक तरह का जापानी करेला होता है। यह लोकी की तुलना में नरम और खरबूजी जैसा दिखता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व ब्लड शुगर कम करने में मदद करते हैं। ओकिनावा के लोग इसका सेवन करते हैं इसलिए वहां पर लोगों में डायबिटीज का दर कम है।

जांघों के बीच त्वचा छिलने और जलन से हैं परेशान, जानें चफिंग से बचने के आसान उपाय

गर्मी और उमस के मौसम में जांघों के बीच त्वचा का छिलना कई लोगों के लिए परेशानी का कारण बन जाता है। ज्यादा देर तक चलने, दौड़ने या एक्सरसाइज करने के दौरान पसीने और त्वचा के आपस में रगड़ने से वहां लालिमा, जलन, खुजली और दर्द होने लग सकता है। कई बार समस्या बढ़ने पर छोटे दाने, छाले या घाव भी हो सकते हैं। मेडिकल भाषा में त्वचा के लगातार रगड़ने से होने वाली इस परेशानी को चफिंग कहा जाता है। यह सिर्फ जांघों तक सीमित नहीं है, बल्कि बगल, कमर, नितंब और शरीर के उन हिस्सों में भी हो सकती है जहां त्वचा आपस में रगड़ खाती है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान सावधानियों की मदद से चफिंग को कम किया जा सकता है और इसके दोबारा होने की संभावना भी घटाई जा सकती है।

आखिर क्यों छिलती है जांघों की त्वचा?

ब्समअमसंदक ब्सपदपब के मुताबिक, चफिंग की मुख्य वजह त्वचा का बार–बार आपस में रगड़ना है। चलने, दौड़ने या एक्सरसाइज के दौरान जांघों की त्वचा लगातार एक–दूसरे से रगड़ खा सकती है। कपड़ों की रगड़ भी इस परेशानी को बढ़ा सकती है। पसीना और नमी स्थिति को और खराब कर सकते हैं। गीली त्वचा ज्यादा संवेदनशील हो जाती है और लगातार घर्षण होने पर लालिमा, जलन और त्वचा को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ सकता है। इसी वजह से गर्म और उमस वाले मौसम में चफिंग की समस्या ज्यादा परेशान कर सकती है। जो लोग ज्यादा एक्सरसाइज करते हैं, लंबे समय तक चलते हैं या ऐसी गतिविधियां करते हैं जिनमें लगातार शरीर की मूवमेंट होती है, उनमें भी इसका खतरा बढ़ सकता है।

जांघों की चफिंग के लक्षण कैसे पहचानें?

शुरुआत में प्रभावित हिस्से पर लालिमा, जलन और खुजली हो सकती है। इसके अलावा त्वचा रूखी या छूने पर संवेदनशील महसूस हो सकती है। चलने या कपड़ा लगने पर चुभन और दर्द भी हो सकता है। अगर घर्षण ज्यादा हो जाए तो त्वचा पर छोटे दाने, छाले या घाव बन सकते हैं। गंभीर स्थिति में त्वचा फटने या खून आने की समस्या भी हो सकती है।

सबसे पहले रगड़ वाली गतिविधि से लें ब्रेक

अगर जांघों की त्वचा छिल गई है तो सबसे पहले उस गतिविधि से कुछ समय के लिए आराम करें, जिसकी वजह से रगड़ हो रही है। त्वचा को ठीक होने का समय देना जरूरी है। इस दौरान ढीले और आरामदायक कपड़े पहनें। बहुत टाइट कपड़े त्वचा से लगातार रगड़ खाकर समस्या को बढ़ा सकते हैं।

जांघों के बीच नमी न रहने दें

पसीना और नमी चफिंग को बढ़ा सकते हैं। इसलिए जांघों के बीच के हिस्से को साफ और सूखा रखना जरूरी है। एक्सरसाइज या ज्यादा पसीना आने के बाद कपड़े बदल लें।

संक्षिप्त

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर, राजकोषीय घाटा भी हुआ कम

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह पिछले साल की समान अवधि में दर्ज 6.9 फीसदी की वृद्धि से अधिक है। सरकारी आंकड़ों से आज यह जानकारी मिली। इसके साथ ही, चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों यानी अप्रैल से जुलाई तक का राजकोषीय घाटा 4.5 लाख करोड़ रुपये रहा। यह वार्षिक अनुमानों का 26.8 फीसदी है। पिछले साल की समान अवधि में यह 18.2 फीसदी दर्ज किया गया था, जिससे पता चलता है कि घाटा कम हुआ है। कुल प्राप्तियां 1. 31 लाख करोड़ रुपये रहीं। अप्रैल से जुलाई के दौरान कुल खर्च 1.31 लाख लाख करोड़ रुपये रहा। ये आंकड़े चालू वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य के क्रमशः 35.8 फीसदी और 31.8 फीसदी थे। अर्थव्यवस्था की यह वृद्धि दर वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत की मजबूती को दर्शाती है। राजकोषीय घाटे में कमी वित्तीय स्थिरता के लिए एक सकारात्मक संकेत है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) किसी देश की आर्थिक सेहत का मुख्य संकेतक होता है। 7.8 फीसदी की वृद्धि दर दर्शाती है कि देश में उत्पादन और सेवाओं में तेजी आई है। यह वृद्धि रोजगार सृजन और लोगों की आय बढ़ाने में मदद करती है। इससे विदेशी निवेश आकर्षित होता है और आर्थिक विकास को गति मिलती है। राजकोषीय घाटा सरकार की आय और खर्च के बीच का अंतर होता है। इसका कम होना सरकार के बेहतर वित्तीय अनुशासन को दर्शाता है। घाटे में कमी से सरकार को कम कर्ज लेना पड़ता है। यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है। इससे ब्याज दरों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

शेयर बाजार में बिकवाली हावीय सेंसेक्स 307 अंक टूटा, निफ्टी 24100 के नीचे बंद

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को बिकवाली का दबाव हावी रहा। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 307 अंक गिरकर 76,957.27 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 95 अंक टूटकर 24,080.40 के स्तर पर आ गया। यह गिरावट ईरान में बढ़ते संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण देखी गई। हफ्ते के पहले और अगस्त महीने के आखिरी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 21 पैसे बढ़कर 95.22 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सोमवार निफ्टी के फ्यूचर कान्ट्रेक्ट बेंचमार्क गिफ्ट निफ्टी 36 अंकों की गिरावट के साथ 24239 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। निवेशक एमएससीआई सूचकांक में संभावित फेरबदल और सीएएस से उत्पन्न अस्थिरता के लिए भी तैयारी कर रहे थे। बाजार में व्यापक रूप से कमजोरी का माहौल रहा। अधिकांश क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। धातु और मीडिया क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए। प्रौद्योगिकी, रियल एस्टेट और वित्तीय सेवाएं भी उल्लेखनीय दबाव में रहीं। फार्मा और स्वास्थ्य सेवा जैसे रक्षात्मक खंड भी फिसले। हालांकि, निजी बैंक एकमात्र ऐसे क्षेत्र थे जिन्होंने सापेक्षिक मजबूती दिखाई। निफ्टी बैंक 600 अंक उछलकर बंद हुआ। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के कई कारण थे। ईरान में बढ़ते संघर्ष ने कच्चे तेल की कीमतों को ऊपर धकेल दिया। इससे निवेशकों की धारणा नकारात्मक हुई। इसके अलावा, निवेशक एमएससीआई सूचकांक में होने वाले फेरबदल के लिए तैयार थे। सीएएस से भी बाजार में संभावित अस्थिरता की आशंका थी। इन सभी कारकों ने मिलकर बाजार पर दबाव बनाया। बाजार में बिकवाली का दबाव लगभग सभी क्षेत्रों में महसूस किया गया। धातु और मीडिया क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए और इनमें बड़ी गिरावट दर्ज की गई। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी उल्लेखनीय दबाव देखा गया। रियल एस्टेट और वित्तीय सेवाएं भी कमजोर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में शामिल थीं। यहां तक कि फार्मा और स्वास्थ्य सेवा जैसे सेक्टर भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे। केवल निजी बैंकों ने कुछ हद तक मजबूती दिखाते हुए बाजार को सहारा दिया। वैश्विक बाजारों में भी सोमवार को कमजोरी का रुख रहा। टोक्यो समय अनुसार दोपहर 12रू09 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा 0.4 फीसदी गिर गया। जापान का निक्केई 225 वायदा (ओएसई) 1.2 फीसदी नीचे आया। जापान का टॉपिक्स भी 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपीध एएसएक्स 200 थोड़ा बदला रहा। हांगकांग का हैंग सेंग 0.7 फीसदी और शंघाई कंपोजिट 0.3 फीसदी गिरे। यूरो स्टॉक्स 50 वायदा में भी 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

एमएससीआई रीबैलेंसिंग से आज पहली बड़ी अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के नए क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम (सीएएस) की आज एमएससीआई रीबैलेंसिंग के साथ पहली बड़ी परीक्षा होने जा रही है। भारतीय शेयर बाजार के लिए आज (सोमवार) का दिन परीक्षा का है। हाल ही में शुरू हुए स्टॉक क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम (सीएएस) का सामना आज अपनी पहली बड़ी चुनौती से होगा। जानकारों के अनुसार वैश्विक सूचकांक एमएससीआई की रीबैलेंसिंग के चलते आज कारोबार के अंतिम मिनटों में बाजार में तेज उतार–चढ़ाव आ सकता है। यह रीबैलेंसिंग 1 सितंबर से प्रभावी होने जा रही है, जिसके लिए सूचकांक को ट्रैक करने वाले पैसिव फंड्स एक दिन पहले यानी सोमवार को ही अपने पोर्टफोलियो एडजस्ट कर लेंगे। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि नए क्लोजिंग ऑक्शन सत्र में सीमित वॉल्यूम होने के कारण ऐसे लेनदेन होने से चुनिंदा शेयरों में तेज उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकता है। 3 अगस्त को पेश किया गया क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम (सीएएस) करीब 20 मिनट का एक विशेष ट्रेडिंग सत्र होता है।

वैभव सूर्यवंशी का तूफान, अपनी पारी में 7 चौके... 7 छक्के जड़े, 57 साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड तोड़ा?

बंगलूरू,एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी का कहर देखने को मिला है। ईस्ट जोन से खेल रहे वैभव सेंट्रल जोन के गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे हैं। उन्होंने 81 गेंद में सात चौके और सात छक्के की मदद से 92 रन की पारी खेली और शतक से चूक गए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 113.58 का रहा। इस पारी के साथ ही वैभव ने 57 साल पुराना भारतीय घरेलू क्रिकेट का एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। साथ ही अफगानिस्तान की टीम को आगामी टी20 सीरीज से पहले चेतावनी भी दी है। दरअसल, बंगलूरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। सेंट्रल जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 266 रन बनाए। जवाब में ईस्ट जोन की पहली पारी जारी है। टीम ने 161 रन पर दो विकेट गंवाए। ईस्ट जोन के लिए अभिमन्यू ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाजी के लिए उतरे। दोनों ने पहले विकेट के लिए 161 रन की साझेदारी निभाई। वैभव ने सेंट्रल जोन के गेंदबाज आर्यन पांडेय, यश ठाकुर, अरशद खान और सारांश जैन की जमकर धुनाई की। हालांकि, वह हर्ष दुबे की गेंद पर अरशद को कैच थमा बैठे। हर्ष ने फिर कुमार कुशाग्र का भी विकेट लिया। कुशाग्र खाता नहीं खोल सके। खबर लिखे जाने तक ईश्वरन अर्धशतक लगाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। वहीं, उनके साथ सुदीप कुमार घरामी क्रीज पर हैं।

वैभव ने केवल 42 गेंद पर ही 50 रन पूरे कर लिए थे। तब तक उन्होंने तीन छक्के और पांच चौके लगाए थे। वह दलीप ट्रॉफी में पिछले 57 साल में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने। इस दौरान उन्होंने लक्ष्मण सिंह का रिकॉर्ड तोड़ा। लक्ष्मण ने 1969 में 16 साल 23 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया था। भारत के पूर्व लेग स्पिनर पीयूष चावला इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने दलीप ट्रॉफी में 2005 में 16 साल 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। अगर वैभव सूर्यवंशी अपना शतक पूरा कर लेते, तो मात्र 15 साल और 175 दिन की उम्र में यह उनका पहला प्रथम श्रेणी शतक होता। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी क्रिकेट में 93 रन था। सूर्यवंशी ने सोमवार को जो 92 रन बनाए, वह उनके 10वें मैच में केवल दूसरा प्रथम श्रेणी अर्धशतक था। वह अपने करियर में टी20 क्रिकेट में पहले ही चार शतक और आठ अर्धशतक लगा चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा 1.1 करोड़ रुपये में रिटेन किए गए सूर्यवंशी, आईपीएल 2026 में 16 मैचों में 237.3 के स्ट्राइक–रेट से एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। सूर्यवंशी, जो ईस्ट जोन टीम के उप–कप्तान भी हैं, ने रविवार को मैच के पहले दिन एक शानदार डीआरएस कॉल लिया था। तब वह नियमित कप्तान ईशान किशन के मैदान से बाहर होने पर टीम की कप्तानी कर रहे थे। सेंट्रल जोन की टीम पहली पारी में 266 रनों पर सिमट गई थी, जिसमें रिंकू सिंह ने 88 गेंदों में सबसे ज्यादा 60 रन बनाए। वहीं, आर्यन जुयाल ने 46 रन और यश राठौड़–हर्ष दुबे ने 27–27 रन की पारी खेली। कप्तान रजत पाटीदार 12 रन बना सके। ईस्ट जोन के लिए भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार (3ध्56) और अभिजीत सरकार (3/38) सबसे सफल गेंदबाज रहे, जबकि मोहम्मद शमी ने 42 रन देकर दो विकेट लिए। इसके अलावा मोहम्मद कुनैन कुरैशी को दो विकेट मिले।

क्या अब पाकिस्तान के लिए कभी नहीं खेलेंगे मोहम्मद आमिर? बोले- उस देश से रिश्ता खत्म, अब मैं ब्रिटेन का हिस्सा

लंदन,एजेंसी। तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने पाकिस्तान क्रिकेट में वापसी के अपने सभी दरवाजे बंद कर लिए हैं। उन्होंने खुद इसका खुलासा करते हुए कहा कि उनका पाकिस्तान चैप्टर अब खत्म हो चुका है। उन्होंने अब ब्रिटिश नागरिकता हासिल कर ली है। पाकिस्तान का यह पूर्व तेज गेंदबाज अब इंग्लैंड के घरेलू प्रतियोगिताओं में स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर खेलने के लिए योग्य हो गया है। दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले मोहम्मद आमिर ने बताया कि ब्रिटेन में उनका नया दर्जा कुछ शर्तों के साथ आता है। उन्होंने क्रिकेट पत्रकार और यूट्यूबर मुहम्मद फुरकान भट्टी को दिए इंटरव्यू में समझाया कि मौजूदा स्थिति में पाकिस्तान क्रिकेट में उनकी वापसी अब क्यों संभव नहीं है। उन्होंने कहा, मैं अब ब्रिटेन का स्थानीय खिलाड़ी हूं। जब आप काउंटी चैंपियनशिप और द हंड्रेड जैसी प्रतियोगिताओं में स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर खेलते हैं, तो आपको एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना होता है कि आप किसी दूसरे देश के लिए स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर नहीं खेल सकते। इसलिए पाकिस्तान वाला मेरा जो अध्याय था, वह अब बंद हो गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आमिर ने ब्रिटिश नागरिक नार्जिस खान से शादी के जरिए ब्रिटिश नागरिकता हासिल की। वह कई वर्षों से ब्रिटेन में रह रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद इंग्लैंड की घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते रहे हैं। पाकिस्तान वाला अध्याय बंद होने की पुष्टि करने से पहले आमिर यह साफ कर चुके थे कि वह पाकिस्तान सुपर लीग में विदेशी खिलाड़ी के तौर पर खेलने के लिए तैयार हैं। इसका मतलब है कि वह इंग्लैंड में स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर खेलना जारी रख सकते हैं और पाकिस्तान सुपर लीग में विदेशी खिलाड़ी की श्रेणी के तहत हिस्सा ले सकते हैं। 2026 पीएसएल में उन्होंने रावलपिंडी का प्रतिनिधित्व भी किया था। ब्रिटिश नागरिकता का फायदा उन्हें इंग्लैंड की घरेलू क्रिकेट में भी मिला है। नॉटिंघमशायर ने उन्हें 2026 टी20 ब्लास्ट के लिए साइन किया, जहां वह विदेशी खिलाड़ी का स्थान नहीं घेर रहे थे। इसके बाद उन्होंने द हंड्रेड में ट्रेंट रॉकेट्स के लिए स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर हिस्सा लिया। आमिर के ब्रिटिश नागरिक बनने और इंग्लैंड में स्थानीय खिलाड़ी का दर्जा हासिल करने से उनके लिए इंडियन प्रीमियर लीग में भी रास्ता खुल सकता है। वह विदेशी खिलाड़ी के तौर पर आईपीएल में रजिस्टर करने के योग्य हो सकते हैं। हालांकि, सिर्फ पात्र होने से टीम में जगह तय नहीं होगी। उनका मौजूदा फॉर्म, फिटनेस और प्रदर्शन कितना आगे बढ़ता है, यह देखने वाली बात होगी और अंततः उन्हें लेकर फैसला बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्तर पर होगा।

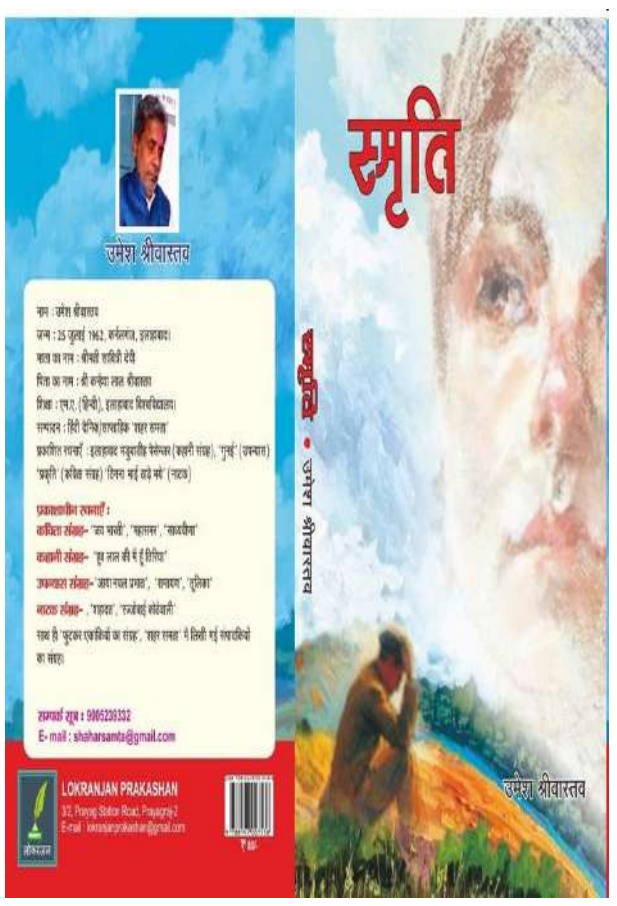

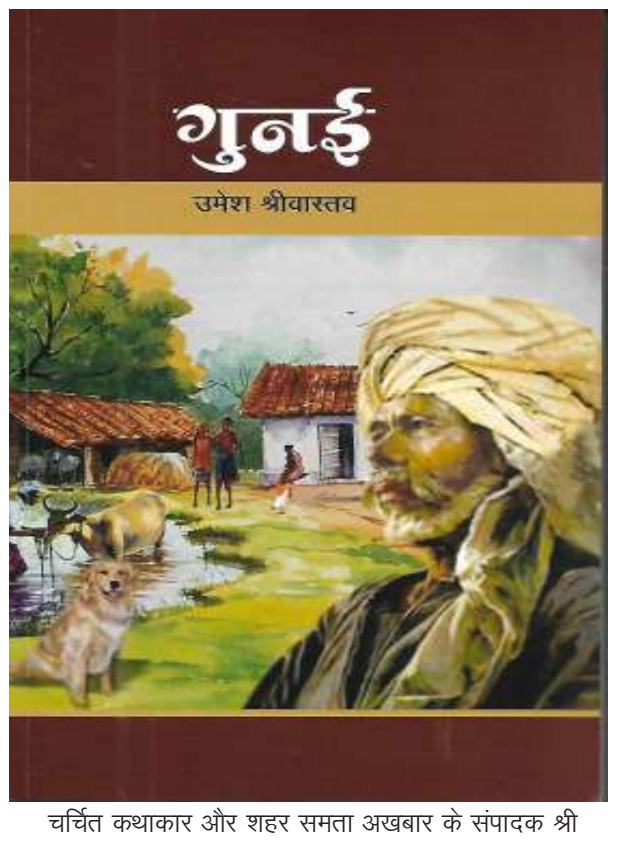

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

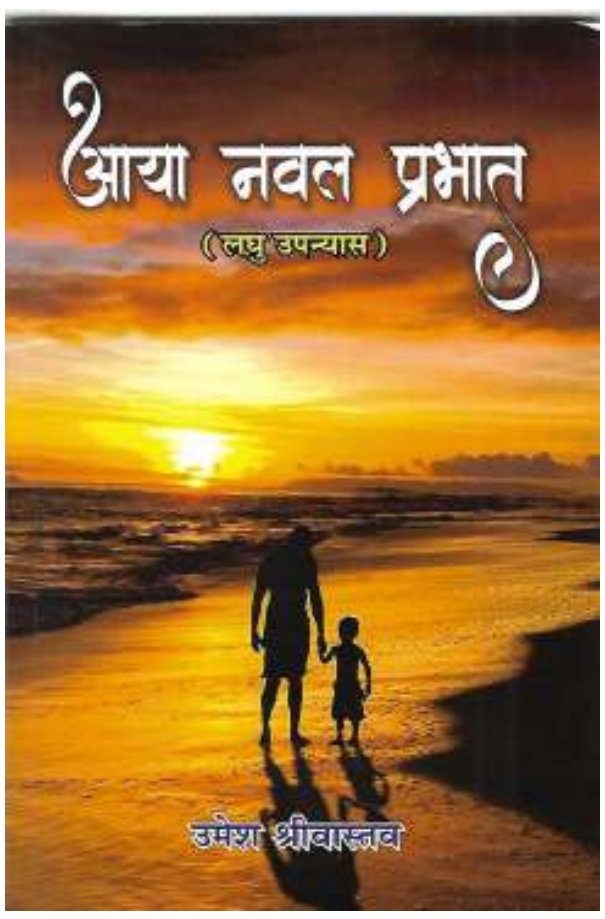

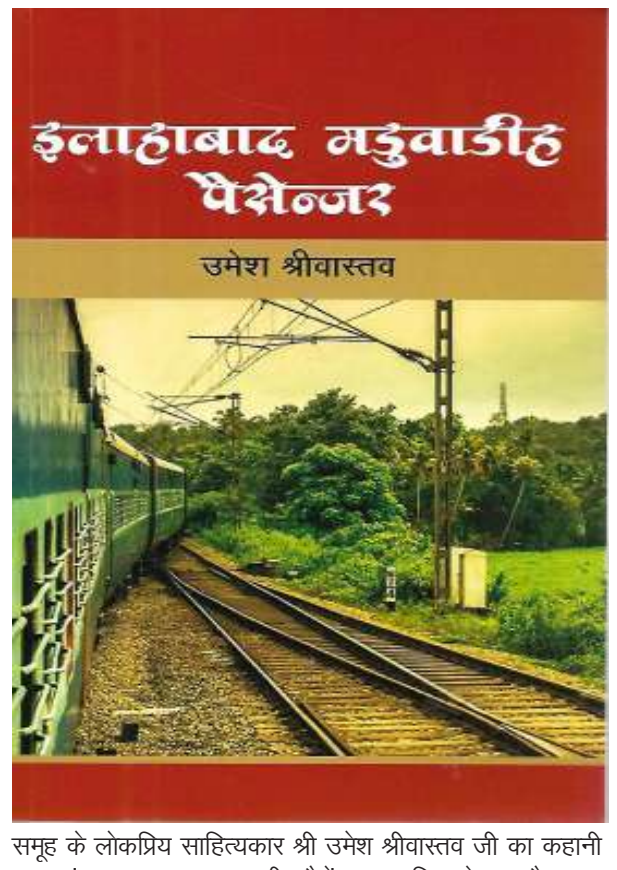

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

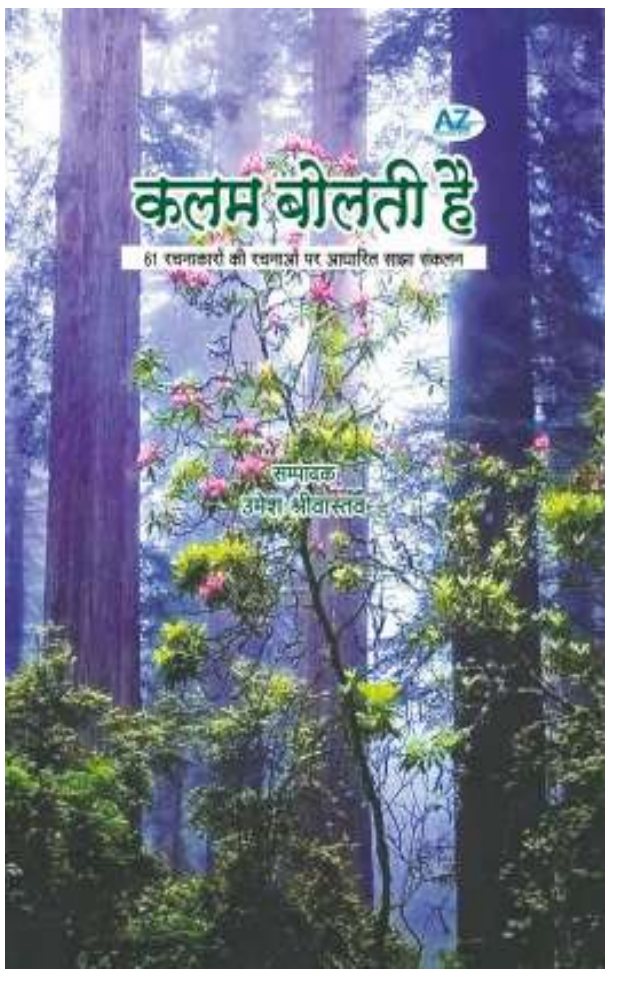

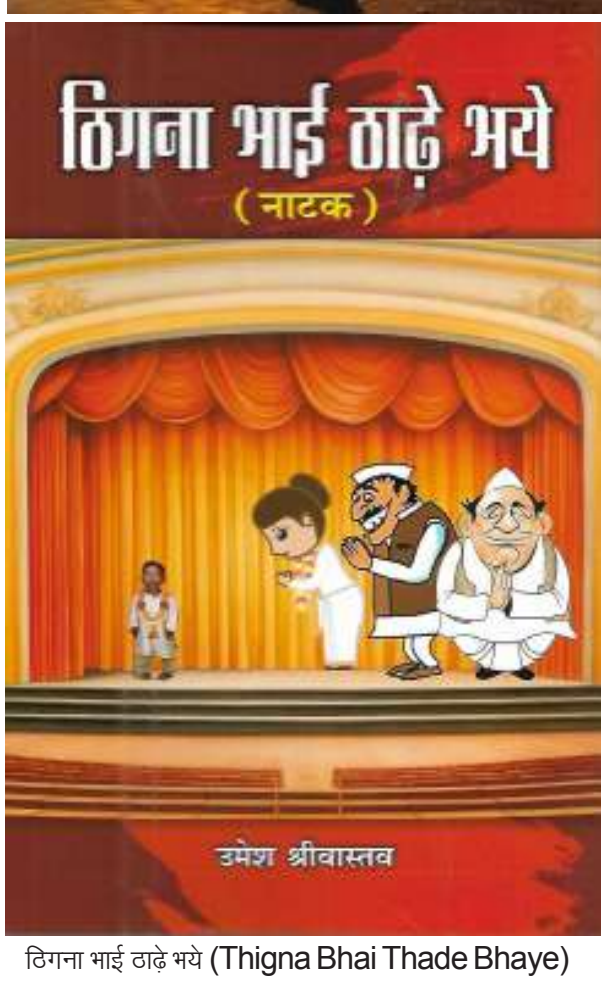

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

प. एशिया में फिर गहराया संकट: यूएई ने किया ईरानी ड्रोन मार गिराने का दावा, अमेरिका हमलों से भड़का तेहरान

दुबई , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात की वायुसेना ने सोमवार को अपने समुद्री क्षेत्र के ऊपर एक ईरानी ड्रोन को रोक दिया। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह घटना सप्ताहांत में अमेरिका की ओर से लारक द्वीप किए गए सैन्य हमले और ईरान के पलटवार के बाद सामने आई है। एक महीने में दोनों देशों के बीच यह पहली बड़ी सैन्य कार्रवाई थी। रक्षा मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि ईरान की ओर से उसके जलक्षेत्र में आते हुए पाए गए एक ईरानी ड्रोन से नष्ट किया गया। ईरान की ओर से तत्काल इस घटना की जिम्मेदारी लेने का कोई दावा नहीं किया गया और न ही किसी नुकसान की सूचना मिली। बाद में यूएई के रक्षा मंत्रालय ने एक और बयान जारी कर ईरानी मीडिया में आई उस खबर को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि दुबई स्थित अल मेनहाद एयर बेस को ईरानी मिसाइलों ने निशाना बनाया। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान ने किया पलटवार

यह घटना रविवार को अमेरिकी बलों द्वारा ईरान के एक द्वीप पर रॉकेट लॉन्चरों को निशाना बनाए जाने के बाद हुई। इससे छह महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में कुछ समय से चली आ रही शांति टूट गई। इसके जवाब में ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं, जिन्हें रोक लिया गया। ईरान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार तड़के कहा कि ईरान वैध रक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटेगा और किसी भी सैन्य आक्रमण का निर्णायक जवाब देगा। शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ किर्गिस्तान रवाना होने से पहले ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता। वह संघर्ष का बातचीत के जरिए समाधान करने के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्लेकिन हम हमलावरों को निर्णायक जवाब देंगे।ष पुतिन से मिलेंगे पेजेशकियन शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में ऐसे देशों का समूह शामिल है, जिसे अमेरिकी वैश्विक प्रभाव के मुकाबले एक ताकत के रूप में देखा जाता है। इसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। पेजेशकियन की मंगलवार को सम्मेलन से इतर पुतिन से मुलाकात होनी थी। जी20 देशों के वित्त मंत्रियों संग स्कॉट बेसेंट की बैठक इस बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट सोमवार और मंगलवार को उत्तरी कैरोलिना में जी20 देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करने वाले थे। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका दूसरे देशों पर ईरान को आर्थिक रूप से अलग–थलग करने में मदद करने का दबाव बना रहा है, ताकि उसके नेताओं से युद्ध समाप्त करने के लिए रियायतें हासिल की जा सकें। पिछले कुछ हफ्तों से अमेरिका का ध यान ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने पर था। हालांकि, रविवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने ईरान के रॉकेट लॉन्चरों को निशाना बनाया। अमेरिकी सेना के अनुसार, उसने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के बलों को होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री बारूदी सुरंगों से लैस रॉकेट दागने की तैयारी करते हुए देखा था। खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान का हमला ईरान के अर्ध–सरकारी समाचार माध्यमों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में लारक द्वीप के पास विस्फोटों की आवाज सुनाई देने की खबर दी। रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि इस घटना में लोग हताहत हुए हैं। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने ईरान के इस दावे को खारिज किया कि हालिया अमेरिकी हमले आक्रामक कार्रवाई थे। उन्होंने इसे सीमित और सटीक कार्रवाई बताया और कहा कि निशाना समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने वाले बल थे। बाद में ईरानी सरकारी टेलीविजन ने अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने के दृश्य दिखाए। जॉर्डन की सेना ने कहा कि उसने अपने हवाई क्षेत्र में दाखिल हुई आठ मिसाइलों को रोक लिया। खुले तौर पर संघर्ष फिर शुरू होना क्षेत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। युद्ध शुरू होने के बाद से 28 फरवरी को ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है।

संक्षिप्त

नेपाल त्रासदी: प्रिंसिपल की सूझबूझ से बची 1600 छात्रों की जिंदगी, बोले- उस तबाही की कल्पना भी नहीं कर सकते

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के करीब 1,600 छात्रों की जान बचाने में स्कूल के प्रिंसिपल राजेंद्र दवाड़ी की सूझबूझ और तुरंत लिए गए फैसले ने अहम भूमिका निभाई।

प्रिंसिपल ने बताया कि बाढ़ की तबाही इतनी भयावह थी कि उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। प्रिंसिपल राजेंद्र दवाड़ी ने बताया कि फ्लैश फ्लड की जानकारी मिलने के समय वह एक कक्षा में मौजूद थे। सूचना मिलते ही कुछ ही मिनटों में सभी शिक्षक एकत्र हुए और स्कूल खाली कराने का फैसला लिया गया। छात्रों को खतरे से आगाह करने के लिए स्कूल की घंटी बजाई गई। उस वक्त स्कूल परिसर में करीब 900 छात्र मौजूद थे, जबकि लगभग 700 बच्चे अभी स्कूल पहुंचने बाकी थे। इनमें कुछ छात्र पैदल आ रहे थे, तो कुछ स्कूल बसों के जरिए स्कूल पहुंच रहे थे।इसके बाद स्कूल बसों को भी परिसर की ओर आने से रोक दिया गया। एक बस के पुल पार करते ही ढह गया पुराना पुल दवाड़ी ने बताया कि हालात कितनी तेजी से बदले, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि स्कूल की एक बस के नए पुल को पार करते ही पुराना पुल ढह गया। इसके बाद शिक्षक और छात्र सभी सुरक्षित स्थान की ओर ऊंचाई पर चले गए। पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें पूरा स्कूल पानी के तेज बहाव में बहता हुआ दिखाई दिया। प्रिंसिपल ने कहा कि उन्होंने अपनी आंखों के सामने स्कूल को तबाह होते देखा। एक शिक्षक अब भी लापता इस हादसे में स्कूल के शिक्षक संतोष परिहार के लापता होने की जानकारी सामने आई है। प्रिंसिपल ने बताया कि स्कूल को सुरक्षित स्थान पर दोबारा स्थापित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है और बाढ़ से तबाह हुए स्कूल को फिर से शुरू करने के लिए लोगों से आर्थिक मदद और दान की आवश्यकता होगी। तबाही के बाद स्कूल को फिर खड़ा करने की चुनौती प्रिंसिपल राजेंद्र दवाड़ी के अनुसार, प्राकृतिक आपदा ने स्कूल को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। अब सबसे बड़ी चुनौती छात्रों की पढ़ाई दोबारा शुरू करना और उनके लिए सुरक्षित स्थान पर स्कूल की व्यवस्था करना है। उनकी त्वरित कार्रवाई से बड़ी संख्या में छात्रों को सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन स्कूल की इमारत और आसपास का इलाका बाढ़ की चपेट में आने से शिक्षा व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा है।

ईरान का पलटवार: IRGC ने जॉर्डन में दागीं मिसाइलेंय US सैनिकों ने हेगसेथ को ईरान के साथ लंबी जंग से आगाह किया

वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (प्ळब्) ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन में मौजूद दो अमेरिकी सैन्य ठिकानों को

निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह कार्रवाई अमेरिका की ओर से ईरान के लारक द्वीप पर किए गए हमले के बाद की गई बताई जा रही है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, हमले में जॉर्डन स्थित किंग हुसैन और अल–अजराक एयर बेस को निशाना बनाया गया। हालांकि, शुरुआती रिपोर्टों में हमले से हुए नुकसान या किसी हताहत की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई थी। कुछ रिपोर्टों के अनुसार जॉर्डन की वायु रक्षा प्रणाली ने आने वाली मिसाइलों को रोक दिया।

अमेरिका ने लारक द्वीप पर क्यों किया हमला? ईरान का यह दावा अमेरिकी कार्रवाई के कुछ ही समय बाद सामने आया। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, लारक द्वीप पर ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की ऐसी मिसाइल लॉन्चर गतिविधियां देखी गई थीं, जिनसे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में समुद्री सुरंगें बिछाने की तैयारी का अंदेशा था। इसके बाद अमेरिकी सेना ने वहां दो लॉन्चरों को निशाना बनाया। ईरान ने अमेरिका को दी थी बदले की चेतावनी लारक द्वीप पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान के प्ळब् ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। ईरानी पक्ष ने अमेरिकी हमले को गंभीर गलती बताते हुए कहा था कि इसके परिणाम भुगतने होंगे। इसके बाद जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा सामने आया। हालांकि, मिसाइल हमले से संबंधित नुकसान और प्रभाव को लेकर अलग–अलग दावे सामने आए हैं। इस बीच अमेरिका में भी ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को लेकर चिंता सामने आई है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना के कई शीर्ष अधिकारियों ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को चेतावनी दी है कि ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान को लंबे समय तक जारी रखना टिकाऊ नहीं है और इससे दुनिया के दूसरे हिस्सों में अमेरिकी सैन्य क्षमता प्रभावित हो सकती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

नेपाल बाढ़रू एक जिला, दो सौ से ज्यादा गुमनाम शव, डीएनए सुरक्षित कर कब्रों में किया जा रहा दफन, क्यों मचा बवाल ?

काठमांडो , एजेंसी। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में अब तक 903 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इस बाढ़ के चलते बड़ी संख्या में लोग बहकर देश के निचले इलाकों में पहुंच गए। नेपाल के चितवन जिले में अधिकारियों ने शवों की पहचान होने से पहले ही उन्हें अस्थायी कब्रों में दफनाना शुरू कर दिया है। इसे लेकर हिंदू अंतिम संस्कार की परंपराओं की अनदेखी किए जाने के आरोप भी लग रहे हैं। दक्षिण–मध्य नेपाल के चितवन जिले में आपदा की भयावहता का अंदाजा करीब 250 शवों के पहचान के इंतजार और उन्हें अस्थायी रूप से दफनाने के लिए जल्दबाजी में खोदे गए गड्ढों से लगाया जा सकता है। बाढ़ के केंद्र से भोटेकोशी नदी में बहकर शव सैकड़ों किलोमीटर दूर चितवन पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, फॉरेंसिक टीमों पर बढ़ते दबाव के बीच शनिवार को करीब 100 शवों को अस्थायी रूप से दफनाया गया। शवों को लेकर वाहनों का काफिला घने और हरे–भरे जंगल वाले इलाके में पहुंचा। वहां एक खुदाई मशीन ने लाल मिट्टी में चौड़ी खाई खोदी, जबकि अधिकारी और मीडिया के लोग मौके पर मौजूद रहे। शवों की व्यवस्था का समन्वय कर रहे पुलिस निरीक्षक अनिल थापा ने बताया कि रविवार को संभावित दफन से पहले 50 और शवों के डीएनए नमूने लिए जा रहे थे। थापा ने कहा कि अधिकारी डीएनए नमूनों को सुरक्षित रख रहे हैं। साथ ही, चेहरे की पहचान से जुड़े विशेष निशानों की तस्वीरें और पहचान से जुड़ी अन्य जानकारी दर्ज की जा रही है। प्रत्येक शव को एक संदर्भ संख्या दी जा रही है, ताकि बाद में परिवार उसे पहचानकर अपने कब्जे में ले सकें। उन्होंने बताया कि कई शव करीब चार दिनों तक बाढ़ के पानी में डूबे रहे थे। बरामद किए जाने तक उनमें सड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी। इलाके में कई घर, वाहन और खेती में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्टर अब भी कीचड़ में आंशिक रूप से दबे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जिले में फॉरेंसिक सुविधाओं की कमी और शवों को रखने की सीमित क्षमता ने बड़ी संख्या में बरामद शवों के प्रबंधन की चुनौती को और बढ़ा दिया है। ज्यादा नमी और तेज गर्मी से शवों के सड़ने की प्रक्रिया भी तेज हो गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि शवों को खुले में छोड़ने से बीमारी फैलने का खतरा बढ़ सकता है। रविवार को इलाके में नए भूस्खलन के कारण काठमांडू और चितवन को जोड़ने वाला मुख्य राजमार्ग बंद हो गया। यह मार्ग एक दिन पहले ही आंशिक रूप से खोला गया था। इसके बंद होने से शवों और राहत सामग्री को ले जाने का काम और मुश्किल हो गया है। अंतिम संस्कार को लेकर लोगों में क्यों बढ़ी नाराजगी? आपदा के बाद बचे लोगों के सामने मुश्किलें जारी हैं, वहीं शवों को दफनाने के फैसले की आलोचना भी बढ़ रही है। कुछ स्थानीय लोगों ने कहा कि मृतकों को अंतिम संस्कार के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ा और उन्हें मृत्यु के बाद भी सम्मान नहीं मिला। लापता परिजनों की तलाश कर रहे परिवारों और कुछ सार्वजनिक हस्तियों ने भी सवाल उठाया कि क्या अधिकारियों ने बहुत जल्द यह कदम उठा लिया। यह मुद्दा नेपाल के लिए खास तौर पर संवेदनशील है। नेपाल में अधिकांश आबादी हिंदू है और यहां मृतकों का पारंपरिक रूप से अंतिम संस्कार किया जाता है। लोगों ने उठाए क्या सवाल? दो रिश्तेदारों के लापता होने की जानकारी देने वाली रूबी चौधरी ने कहा कि परिवारों की सहमति के बिना शवों को दफन नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ष्मृतकों के साथ सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। हमारी परंपरा है कि नदी किनारे परिवार के करीबी सदस्यों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया जाए।ष नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई ने कहा कि खोज और बचाव अभियान पूरा होने से पहले और लापता लोगों के परिवारों से व्यापक विचार–विमर्श किए बिना अज्ञात शवों को दफनाना उचित नहीं था। उन्होंने शनिवार रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अगर शव रखने के लिए मुर्दाघर की क्षमता पर्याप्त नहीं थी, तो अधिकारी आपातकालीन संसाधनों की मदद से अस्थायी मुर्दाघर या सुरक्षित शीत भंडारण सुविधाएं तैयार कर सकते थे। अधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और सीमित क्षमता के कारण शवों को अस्थायी रूप से दफनाने का कदम उठाया गया है। पुलिस निरीक्षक थापा ने कहा, ष्लोग चिंतित हैं कि यह स्थायी दफन हो सकता है, लेकिन यह केवल अस्थायी व्यवस्था है। अगर उपलब्ध जानकारी के आधार पर बाद में कोई व्यक्ति पहचान की पुष्टि कर पाता है, तो वह शव वापस ले सकता है और उचित अंतिम संस्कार कर सकता है।

'सबसे बड़ा शोषणकर्ता': व्यापार वार्ता टूटने के बाद ट्रंप का कनाडा पर हमला, बोले- मुझे खराब लगता है ये देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार वार्ता टूटने के बाद कनाडा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अपने उत्तरी पड़ोसी को ष्सबसे बड़े शोषणकर्ताओं में से एकष बताया और कनाडाई कंपनियों से शुल्क से बचने के लिए अपना कारोबार अमेरिका में स्थानांतरित करने की अपील की। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कई पोस्ट में अपनी शुल्क नीति को अमेरिका के वाहन उद्योग को बचाने का श्रेय दिया। उन्होंने कनाडा पर अनुचित व्यापार गतिविधियों का भी आरोप लगाया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ष्जब मैंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की थी, तब शुरुआत में ही फोर्ड डेट्रॉयट में अपनी बड़ी फैक्टरी बंद करने की तैयारी कर रही थी। फिर, क्योंकि मैं चुनावी सर्वेक्षणों में आगे चल रहा था, उन्होंने यह देखने के लिए इसे थोड़े समय और खुला रखने का फैसला किया कि क्या होता है। अब यह 24 घंटे, सातों दिन चल रही है और दुनिया की सबसे अधिक लाभदायक कार फैक्ट्रियों में से एक है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि फोर्ड, जनरल मोटर्स और अन्य कंपनियों के ऐसे कई और उदाहरण हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने अमेरिका के वाहन उद्योग को ष्फिर से खड़ा किया और वास्तव में बचायाष है। ट्रंप ने कहा, ष्यह मेरे द्वारा शुल्कों को लेकर उठाए गए कदमों की वजह से हुआ है। सबसे बड़े शोषणकर्ताओं में से एक कनाडा है। मुझे कनाडाई कारें नहीं चाहिए, मुझे कनाडाई पुर्जे नहीं चाहिए, मुझे कनाडा की कोई चीज नहीं चाहिए। वे दशकों से हमारा शोषण कर रहे हैं और अब यह बंद होगा। उन्होंने कनाडा के खिलाफ सख्त रुख नहीं अपनाने के लिए पिछली अमेरिकी सरकारों पर भी निशाना साधा। ट्रंप ने कहा, ष्यह काम बहुत पहले दूसरे राष्ट्रपतियों के समय हो जाना चाहिए था, ठीक वैसे ही जैसे ईरान को रोकने का काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था।ष ट्रंप ने कनाडा की उस अपेक्षा पर भी आपत्ति जताई, जिसमें उसके साथ अमेरिका के किसी राज्य की तरह व्यवहार किए जाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा, ष्वे चाहते हैं कि उनके साथ एक राज्य की तरह व्यवहार किया जाए, लेकिन वे राज्य नहीं हैं। मैं कई देशों के नेतृत्व के साथ काम करता हूं, लेकिन मुझे कनाडा सबसे खराब लगता है। अब उन्हें किसी तरह की विशेष छूट नहीं मिलेगी।ष कनाडाई उद्योग पर दबाव बढ़ाते हुए ट्रंप ने वहां कारोबार कर रही कंपनियों से अमेरिका आने की अपील की। उन्होंने कहा, ष्अमेरिका के साथ कारोबार करने वाली सभी कनाडाई कंपनियां तुरंत अमेरिका आ जाएं। ट्रंप ने कहा, ष्इनमें से कई ऐसी कंपनियां हैं, जो वर्षों पहले अमेरिका के गलत नेतृत्व के कारण यहां से बाहर चली गई थीं। जब वे वापस आएंगी तो उन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।ष ट्रंप की यह टिप्पणी वॉशिंगटन और ओटावा के बीच बढ़े व्यापार तनाव के बीच आई है। दोनों देश अमेरिकी शुल्क संबंधी उपायों को लेकर अलग–अलग रुख अपना रहे हैं।

ईरान से लेनदेन पर अमेरिका सख्त: एक और बैंक पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन इस सप्ताह एक और बैंक पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। इसका मकसद ईरान से होने वाले लेनदेन पर रोक लगाना है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रविवार को यह जानकारी दी। स्कॉट बेसेंट ने नॉर्थ कैरोलिना के ऐशविल में एसोसिएटेड प्रेस से बात की। वह वहां होने वाली जी–20 बैठकों से पहले बोल रहे थे।

'स्वर्ग आईलैंड के कर दिए टुकड़े-टुकड़े': ईरान के हमले के बाद ट्रंप ने जारी किया AI वीडियो, दिखाया तबाही का मंजर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के रणनीतिक रूप से बेहद अहम खर्ग आईलैंड को लेकर बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर खर्ग आईलैंड पर जोरदार धमाकों वाला एक

वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि द्वीप को श्टुकड़े–टुकड़ेश किया जा रहा है। ट्रंप की यह पोस्ट ईरान के एक अन्य द्वीप लारक पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद सामने आई। अमेरिकी सेना ने लारक द्वीप पर दो रॉकेट लॉन्चरों को निशाना बनाने की जानकारी दी थी। इसे जुलाई के अंत के बाद ईरान के खिलाफ अमेरिका की पहली ज्ञात सैन्य कार्रवाई बताया जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'खर्ग आईलैंड के टुकड़े–टुकड़े किए जा रहे हैं।' हालांकि, उन्होंने इसके अलावा हमले को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप के पोस्ट में दिखाई गई तस्वीरों में खर्ग आईलैंड पर बड़े धमाके होते नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो की वास्तविकता को लेकर भी सवाल उठे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप द्वारा साझा किया गया वीडियो संभवतः सिंथेटिक यानी ।ष से तैयार किया गया हो सकता है। ।ष से बदली गई तस्वीरों और वीडियो की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर के विश्लेषण में इसके कृत्रिम रूप से तैयार किए जाने की संभावना सामने आई। व्हाइट हाउस और अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से खर्ग आईलैंड पर हमले की तत्काल कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं की गई थी। ऐसे में ट्रंप के दावे और वीडियो को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। खर्ग से पहले अमेरिका ने ईरान के लारक आईलैंड पर हमला किया था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (ब्छज्ब्ड) के अनुसार, इस कार्रवाई में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (प्ळब्) के दो सैन्य लॉन्च सिस्टम को निशाना बनाया गया। अमेरिकी पक्ष का दावा था कि प्ळब् इन लॉन्च सिस्टम की मदद से होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइंस बिछाने की तैयारी कर रहा था। ईरानी मीडिया की रिपोर्टों में दावा किया गया कि लारक पर ड्रोन से हमला हुआ और इसमें कुछ ईरानी सैनिकों तथा नागरिकों के मारे जाने या घायल होने की खबर सामने आई। लारक पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया। ईरान के प्ळब् के मुताबिक, जॉर्डन और कतर में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। ईरानी पक्ष ने जॉर्डन के किंग हुसैन और अल–अजराक एयरबेस की तकनीकी सुविधाओं और लड़ाकू विमानों से जुड़ी जगहों को निशाना बनाने का दावा किया। वहीं, जॉर्डन की ओर से कई मिसाइलों को अपनी वायु रक्षा प्रणाली से रोकने की बात कही गई। खर्ग आईलैंड पर अमेरिकी हमले के ट्रंप के दावे से संकेत मिल रहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का दायरा बढ़ सकता है। दूसरी ओर, ईरान पहले ही अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी मिसाइल हमलों का दावा कर चुका है। अगर दोनों देशों के बीच हमले और जवाबी हमले का सिलसिला आगे बढ़ता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।